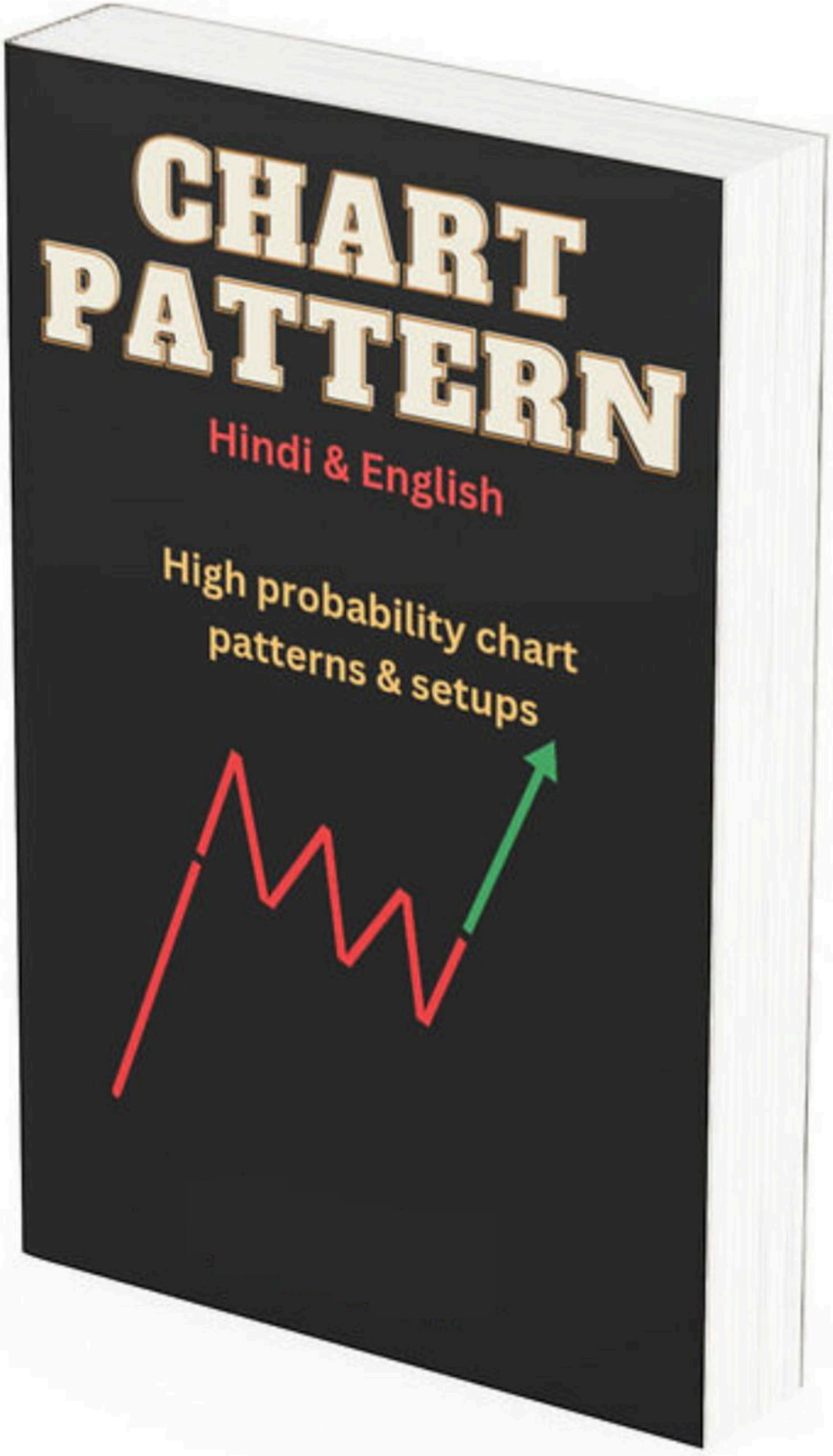

CHART
PATTERN
Hindi & English
High probability chart
patterns & setups

INDEX :-

Ascending Triangles

Symmetrical Triangle pattern

Descending Triangle

Descending Triangle

Bump and Run Reversal

Cup And Handle Pattern

Double Bottom Pattern

Double Top Pattern

Falling Wedge Pattern

Flag Pattern

Pennant Pattern

Head and Shoulders Top Pattern

Inverse Head And Shoulders Pattern

Rounding Bottom Pattern

With Proper Diagrams , Chart patterns , Nature of Pattern , Condition Of Breakout And Volume For Stock Market Analysis And Prediction.

Ascending Triangles

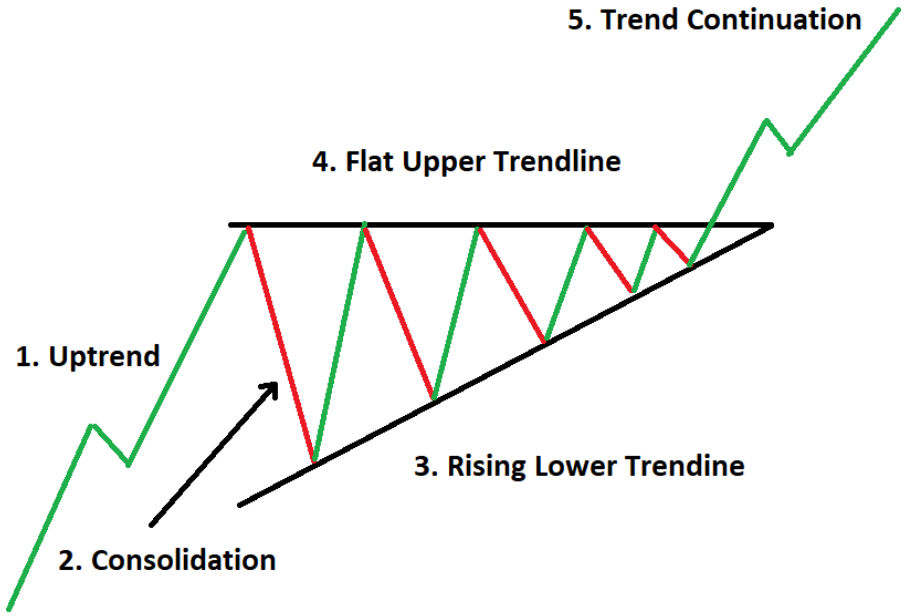

आरोही त्रिभुज पैटर्न क्या होता है ?

What is Ascending Triangle Pattern?

आपने संभवतः किसी व्यक्ति को वाक्यांश कहते सुना होगा की "मैं हमेशा सही समय पर सही जगह पर होता हू"I स्टॉक ट्रेडिंग भी इससे अलग नहीं है, इसमें भी हमें सही समय पर सही स्थिति में होना चाहिए। यही कारण है कि कई स्टॉक व्यापारियों के बीच आरोही त्रिकोण पैटर्न एक पसंदीदा है। जो लोग इस चार्ट पैटर्न को समझते हैं और इसे सही तरीके से व्यापार करते हैं, उनके लिए यह एक व्यापारिक रणनीति है जिसके परिणामस्वरूप उन्हें एक बड़ा मुनाफा हो सकता है।

यह शास्त्रीय तकनीकी विश्लेषण द्वारा परिभाषित तीन महत्वपूर्ण त्रिभुज पैटर्न में से एक है। अन्य दो अवरोही त्रिकोण और सममित त्रिकोण हैं।

आरोही त्रिकोण एक निरंतरता पैटर्न है जिसे एक प्रवेश बिंदु, स्टॉप लॉस और प्रॉफिट लक्ष्य द्वारा परिभाषित किया गया है। मूल्य चार्ट पर, यह एक क्षैतिज समर्थन रेखा के रूप में दिखाई देता है जो ऊंचे हिस्से को चढ़ाव के लिए एक ऊपर की ओर बढ़ते ट्रेंडलाइन से जोड़ता है। प्रत्येक आरोही त्रिकोण में न्यूनतम दो उच्च और दो चढ़ाव होते हैं। इसकी तुलना में, एक अवरोही त्रिकोण में एक क्षैतिज निचली रेखा और एक अवरोही ऊपरी ट्रेंडलाइन है।

आरोही त्रिभुज पैटर्न कैसे काम करता है ?

How Ascending Triangle Pattern works?

उपरोक्त चार्ट एक आरोही त्रिकोण का प्रतिनिधित्व है। इसमें एक क्षैतिज प्रतिरोध रेखा होती है, जो मामूली ऊँचाइयों को जोड़ने वाली एक छोटी प्रवृत्ति के साथ ऊंची ऊँचाई पर खींची जाती है, जो एक त्रिकोणीय पैटर्न बनाती है।

आरोही त्रिकोण निरंतरता पैटर्न हैं क्योंकि मूल्य आमतौर पर उस दिशा में टूट जाता है जिस तरफ पैटर्न पहले से जा रहा होता है। अन्य प्रकार के त्रिकोणों के साथ, वॉल्यूम अक्सर चार्ट पैटर्न के दौरान सिकुड़ता है। झूठे ब्रेकआउट पर नज़र रखते हुए, आमतौर पर निवेशक तब प्रवेश करते हैं जब मूल्य ब्रेकआउट होता है।

उनकी स्थिति ब्रेकआउट की दिशा पर निर्भर कराती है – ऊपर की दिशा में खरीदें और निचली दिशा में बिक्री करें। स्टॉप लॉस त्रिकोण के बाहर रखा जाता है। लाभ लक्ष्य की गणना करने के लिए, व्यापारी अधिकतम चौड़ाई पर त्रिकोण की ऊंचाई को ध्यान में रखते हैं और ब्रेकआउट मूल्य के अनुसार उस माप को समायोजित करते हैं।

आरोही त्रिकोण पैटर्न (Ascending Triangle Pattern) का मतलब है की जितना व्यापक पैटर्न, उतना ही अधिक जोखिम और इनाम होता है । संकीर्ण पैटर्न के लिए, स्टॉप लॉस छोटा हो जाता है; हालांकि, लाभ लक्ष्य अभी भी पैटर्न के सबसे महत्वपूर्ण हिस्से पर आधारित है। इस चार्ट का उपयोग करने के इच्छुक व्यापारियों के लिए चुनौतियों के संदर्भ में, गलत ब्रेकआउट एक महत्वपूर्ण विचार है। मूल्य आंदोलन में उतार-चढ़ाव होने के कारन ऊपरी प्रतिरोध स्तर को तोड़ने में विफल रहता है।

आरोही त्रिभुज पैटर्न (Ascending Triangle Pattern) क्यों बनता है ?

हेज फंड और अन्य संस्थागत संगठन एक कंपनी में सैकड़ों हजारों शेयर खरीद सकते हैं। स्टॉक बढ़ने के बाद, और ऐसा निष्कर्ष निकलने के बाद उनको लगता है कि कहीं और बेहतर अवसर हैं तो संगठन ऐसे स्थिति से बाहर निकल जाएगा। यहां उन्हें अपना स्टॉक एक निश्चित बिंदु तक बेचना होगा, इस उदाहरण में, हम ₹ १५० का उपयोग करते हैं। बाजार में बड़ी मात्रा में स्टॉक डंप होने के कारण, उस स्टॉक की कीमत ₹ १५० से ऊपर नहीं जा सकती है, क्योंकि जैसे ही यह होता है, यह संगठन से बिक्री को ट्रिगर करता है।

जब सब लोग स्टॉक बेच रहे होते है तो अन्य विक्रेता भी इसमे पर कूदते हैं और स्टॉक को और भी नीचे लेके आते हैं। एक बार जब सभी विक्रेता संतुष्ट हो जाते हैं, तो खरीदार आते हैं, यह सोचकर कि स्टॉक इस कम कीमत पर सस्ता है और उन शेयरों को वापस पहले से ज्यादा ऊपर लिया जाता है।

आरोही त्रिभुज पैटर्न **(Ascending Triangle Pattern)** के गुण **:**

पैटर्न प्रकार : निरंतरता

संकेत : बुलिश

ब्रेकआउट की पुष्टि : इस पैटर्न की पुष्टि औसत ट्रेडिंग वॉल्यूम पर उच्च स्तर को दर्शाती है।

वॉल्यूम : आरोही त्रिकोण निर्माण के दौरान वॉल्यूम में गिरावट आती है, जब ब्रेकआउट होता है।

निष्कर्ष :

आरोही त्रिकोण पैटर्न (Ascending Triangle Pattern) एक उच्च जोखिम / इनाम परिदृश्य का प्रतिनिधित्व करता है, अन्य पैटर्न को छंद करता है जो समय के साथ संकीर्ण हो जाते हैं। इस चार्ट पैटर्न के साथ सबसे बड़ा मुद्दा झूठे ब्रेकआउट की संभावना है। नतीजन, चार्ट पैटर्न को कई बार फिर से परिभाषित किया जा सकता है क्योंकि मूल्य कार्रवाई प्रतिरोध स्तर से पहले होती है, लेकिन ब्रेकआउट मूल्य बनाए रखने में विफल रहती है।

Symmetrical Triangle pattern

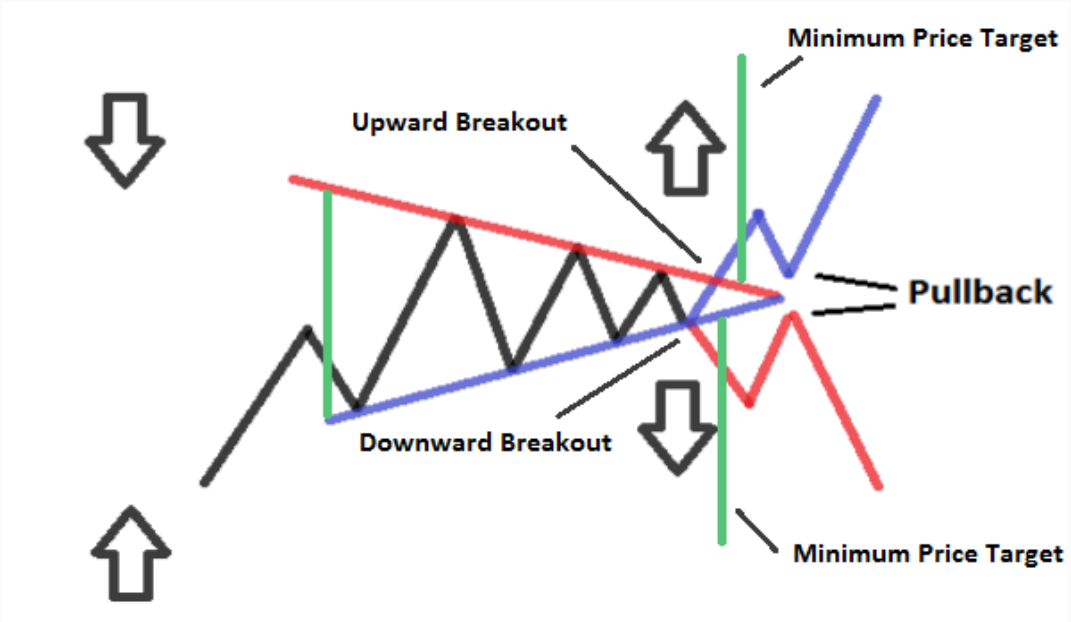

एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल चार्ट पैटर्न मुख्य रूप से बाजार में अस्थिरता संकुचन का प्रतीक है। दूसरे शब्दों में, बाजार की अस्थिरता धीरे-धीरे सिकुड़ रही है और जल्द ही ब्रेकआउट या ब्रेकडाउन हो सकता है। यह पैटर्न तब देखा जाता है जब एक शेयर की कीमत इस तरह से समेकित हो रही है कि बारीकी ढलानों के साथ दो कोन्वेर्जिंग ट्रेंड लाइन बनती है। यह चार्ट पैटर्न ही दर्शाता है कि शेयर मूल्य समेकन की चल रही अवधि से पहले ही ब्रेकडाउन या ब्रेकआउट होने को है। निचली ट्रेंडलाइन में ब्रेकडाउन होता है, तो यह एक नई मंदी ट्रेंड की शुरुआत के निशान है। वैकल्पिक रूप से, यदि ऊपरी ट्रेंडलाइन में ब्रेकआउट होता है, तो यह एक नया तेजी के परिवर्तन की शुरुआत का संकेत है।

एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न कैसा दिखता है?

एक चार्ट पैटर्न जिसमें दो कोन्वेर्जिंग ट्रेंड लाइनों होती है जो कि वे ऊपर और नीचे की श्रृंखला में जुडी होती हैं, जो एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न या वेज चार्ट पैटर्न है। दोनों ट्रेंड लाइनों को मोटे तौर पर समकक्ष ढलान पर कनवर्ज करना चाहिए, जिससे ट्रायंगल की आकृति आती है। यदि दोनों ट्रेंड रेखाएं असमान ढलान पर कनवर्ज होती हैं, तो वे अब सिमेट्रिकल नहीं होते हैं। इन पंक्तियों को क्रमशः आरोही या अवरोही ट्रायंगल के रूप में जाना जाता है।

सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न एक अवरोही या आरोही ट्रायंगल पैटर्न से अलग दिखाई देता है जिसमे पूर्व के निचले और ऊपरी दोनों ट्रेंड लाइनों के ढलान केंद्र बिंदु की ओर होते है।

इसके विपरीत, एक ऊपरी क्षैतिज ट्रेंडलाइन आरोही ट्रायंगल, जिसे एक अधिक ब्रेकआउट की संभावना के रूप में देखा जाता है। एक निचली क्षैतिज ट्रेंडलाइन आरोही ट्रायंगल, जिसे कम ब्रेकआउट की संभावना के रूप में देखा जाता है। इसलिए, लाइनों को उनके कनवर्ज ढलान में मोटे तौर पर बराबर होना चाहिए ताकि एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल चार्ट पैटर्न के रूप में चिह्नित किया जा सके।

कई व्यापारिक विशेषज्ञ मानते हैं कि सिमेट्रिकल ट्रायंगल की पहचान करने का एक तरीका ट्रेंडलाइन की अवधि देखना है। इसका कारण यह है कि ट्रेंड दिन या महीनों के लिए किया गया हैं या नहीं है, से पुष्टि कर सकते हैं कि पैटर्न एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न है या सिर्फ एक अस्थायी फ्लैट या पीनेंट है। सामान्य तौर पर, यदि पैटर्न महीनों में बनाया जाता है तो यह संभवतः एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल है। यदि यह कुछ सप्ताह पुराना है, तो यह शायद एक पीनेंट या फ्लैग है।

एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न से ब्रेकआउट कीमत का अनुमान कैसे लगाएं?

व्यापारी ब्रेकडाउन या ब्रेकआउट मूल्य बिंदु का अनुमान लगाने के साधन के रूप में पैटर्न के शुरुआती भाग के कम और दूरी से दूरी बनाए रखता हैं। उदाहरण के लिए, मान लें कि सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न ₹10.00 के न्यूनतम मूल्य से शुरू होता है और इस सीमा को संकीर्ण होने से पहले ₹15.00 तक अधिकतम जाता है। 12 रुपये में देखा जाने वाला ब्रेकआउट 17 रुपये का लक्ष्य मूल्य होगा। अंतर्निहित सूत्र ₹15 – ₹10 = ₹5 + ₹12 = ₹17 है।

एक ब्रेकआउट बिंदु का आकलन, किसी का स्टॉप लॉस जगह को जानने में भी मदद करता है। आम तौर पर, एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल चार्ट पैटर्न में, स्टॉप लॉस ब्रेकआउट बिंदु से ठीक पहले होता है। उदाहरण के लिए, ऊपर उल्लिखित शेयर 12.00 रुपये से उच्च मात्रा पर ब्रेकआउट हो जाता है, व्यापारियों को आम तौर पर किसी भी संभावित नुकसान को कम करने के लिए 12.00 रुपये के ठीक नीचे अपना स्टॉप-लॉस रखा होगा। यह भी ध्यान दें कि, तकनीकी विश्लेषण के अधिकांश रूपों के साथ के रूप में, सिमेट्रिकल ट्रायंगल ट्रेडिंग सबसे अच्छा काम करता है जो साथ ही एक अन्य तकनीकी संकेतकों और पैटर्न काअच्छी तरह से विश्लेषण करता है।

एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न का उपयोग करके व्यापार करने के लिए सुझाव

सिमेट्रिकल ट्रायंगल तकनीकी विश्लेषण विभिन्न चार्ट पैटर्न विश्लेषण के साथ संयोजन के रूप में सबसे अच्छा काम करता है। सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न का उपयोग करते हुए, व्यापारियों को आम तौर पर एक शेयर मूल्य में एक उच्च मात्रा परिवर्तन पता करते हैं ताकि वे अपने ब्रेकआउट की पुष्टि कर सकें। अन्य संकेतक उस ब्रेकआउट की अवधि का अनुमान लगाने में मदद कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, जब इसके ब्रेकआउट के बाद प्रतिभूति को अधिक मूल्य पर बेचा गया है, का अनुमान लगाने के लिए, आरएसआई या 'सापेक्ष क्षमता सूचकांक' आमतौर पर सिमेट्रिकल ट्रायंगल तकनीकी विश्लेषण के साथ संयोजन के रूप में प्रयोग किया जाता है ।

व्यापारी भी उनके स्टॉप-लॉस निशान के लिए एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल चार्ट पैटर्न के साथ संयोजन के रूप में परिवर्तित औसत का उपयोग करते हैं। एक ट्रेलिंग स्टॉप लॉस तकनीक का उपयोग करने के अलावा, व्यापारियों अक्सर एक मूल्य प्रोजेक्शन तकनीक का उपयोग करते समय एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल की तरह एक तकनीकी सूचक का उपयोग करते हैं। यहां बताया गया है कि मूल्य प्रोजेक्शन कैसे काम करता है। सबसे पहले, सिमेट्रिकल ट्रायंगल पैटर्न के निम्नतम बिंदु और उच्चतम बिंदु के बीच की दूरी की गणना करें। यह इसकी चौड़ाई है। ब्रेकआउट बिंदु पर यह चौड़ाई 'कॉपी-पेस्ट'करें। अब आप एक मूल्य प्रोजेक्शन स्तर पर अपने व्यापार से बाहर निकल सकते हैं।

निष्कर्ष

— एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल चार्ट पैटर्न तब बनाया जाता है जब शेयर मूल्य को इस तरह से समेकित किया जाता है कि दो कोन्वेर्जिंग ट्रेंड लाइन मोटे तौर पर समान ढलानों पर बनाई जाती है।

— एक सिमेट्रिकल ट्रायंगल के लिए दोनों ब्रेकडाउन, ब्रेकआउट लक्ष्य, इन संबंधित बिंदुओं पर लागू प्रारंभिक कम और प्रारंभिक उच्च के बीच की दूरी के बराबर हैं।

— संभावित ब्रेकआउट बिन्दुओं के बारे में अपने अनुमानों की पुष्टि करने में मदद करने के लिए, व्यापारियों के अन्य प्रकार के तकनीकी विश्लेषण उपकरणों के साथ संयोजन के रूप में सिमेट्रिकल ट्रायंगल का उपयोग करते हैं।

Descending Triangle

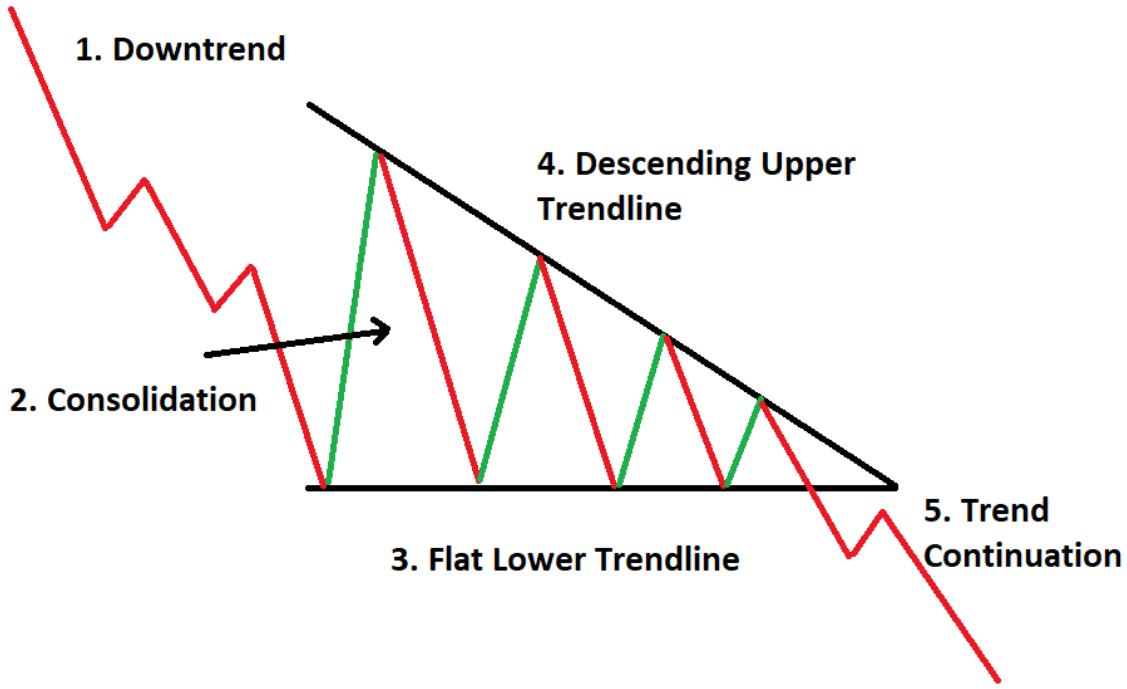

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न को हिंदी में अवरोही त्रिकोण पैटर्न भी कह सकते हैं जो कि मंदी के समय में बनता है।

इस पैटर्न में एक स्पष्ट तिरछी रेखा बनाते हुए निरंतर नये लो पर नये हाई की श्रृंखला बनती है। इस श्रृंखला में एक होरिजेंटल रेखा इन हाईज के बॉटम को जोड़ती है।

इस विस्तृत समीक्षा में, हम सीखेंगे कि डिसेंडिंग ट्रायंगल पैट्रन की पहचान कैसे करें, यह कैसे काम करता है और आप अपने मुनाफे को अधिकतम करने के लिए इसे अपने ट्रेड में कैसे नियोजित कर सकते हैं।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैट्रन की पहचान

डिसेंडिंग ट्रायंगल प्रमुख कैंडलस्टिक पैटर्न्स (**candlestick patterns in hindi**) में से एक है। इसमें नीचे एक होरिजेंटल यानि क्षैतिज रेखा होती है और एक नीचे की ओर झुकी हुई रेखा टॉप प्राइसेस को जोड़ती है। यह पैटर्न मंदी के बाजार के परिदृश्य की विशेषता है जहां कीमतें एक निश्चित स्पोर्ट (Support) लेवल तक जाती हैं। हाईस की श्रृंखला एक ऊपरी रेखा बनाती है और निचली रेखा स्पोर्ट लेवल है।

पैटर्न के अंत की ओर स्पोर्ट लाइन टूटने के बाद भी कीमतों में गिरावट जारी रहती है। कभी-कभी, एक मजबूत स्पोर्ट लाइन बन सकती है और जो कि कीमतों में बाउंस बैक या उछाल का कारण बन सकती है। जो भी मामला हो, एक डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न तब बनना शुरू होता है जब या तो मूल्य एक महत्वपूर्ण रेसिसटेंस (Resistance) फोर्स से आगे निकल जाता है या एक प्रतिकूल बाजार एक स्पोर्ट लेवल का बार-बार सामना करता है मगर मूल्य स्पष्ट रूप से वापस आ जाता है।

अन्य मामलों में, यह लाभ की संभावना के साथ टारगेट एरिया के रूप में कार्य करता है, या इसे आप सिर्फ एक अवसर के रूप में देख सकते हैं जहां एक आकर्षक मूल्य मिल रहा है। इस बिंदु पर, खरीदारी को बल मिल सकता है जिससे कीमत स्थिर हो जाती है क्योंकि मांग (Demand) आपूर्ति (Supply) से अधिक हो जाती है।

बाजार की ताकत में यह बदलाव कीमत बढ़ने का कारण बनता है।

इस मौके पर ट्रेडर अतिरिक्त स्टॉक बेचना पसंद करते हैं, इससे सप्लाइ बढ़ जाती है और कीमत एक बार फिर से कम हो जाती है। जब कीमत पिछले स्पोर्ट एरिया को छूती है, तो बढ़ी हुई मांग के कारण कीमत फिर से बढ़ जाती है। हालांकि, यह वृद्धि पिछली वृद्धि जितनी नहीं होती है और कीमत फिर से नीचे आ जाती है।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न में ट्रेड कैसे करें?

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न प्राइस एक्शन ट्रेडिंग का केंद्रीय पहलू है। यह चार्ट पैटर्न संभावित रूप से डाउनट्रेंड (Downtrend) के अंत में बनता है। यह असेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न से बिल्कुल विपरीत है। यह पैटर्न ट्रेडिंग ब्रेकआउट्स (Breakouts) के लिए ठीक रहता है।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न की सबसे अधिक संभावना मंदी के दौर में होती है, लेकिन यह कभी-कभी तेजी से भी बन सकता है। मंदी के गठन में एक निरंतर पैटर्न होता है। जब यह पैटर्न तेजी के दौरान प्रकट होता है, तो इसे रिवर्सल पैटर्न के रूप में भी जाना जाता है। आप डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न के साथ ट्रेडिंग करने के लिए कई रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न में मूल्य कम से कम दो बार स्पोर्ट लेवल पर बाउंस लेता है। स्पोर्ट एरिया से चार्ट के नीचे की ओर ब्रेकआउट एक मजबूत मंदी की गति को दर्शाता है जिसके परिणामस्वरूप गिरावट होती है।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न में नीचे की ओर ब्रेकआउट बन सकता है जिसमें रिवर्सल के बजाय एक निरंतर गिरता हुआ पैटर्न ही बनता है।

पारंपरिक ट्रेडिंग रणनीति

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न का उपयोग करके ट्रेडिंग करने की सबसे सरल रणनीति ब्रेकआउट स्ट्रेटेजी है। यह रणनीति ब्रेकआउट की उम्मीद के कारण काम करती है। अल्पकालिक लाभ कमाने के लिए ट्रेडर एक स्टॉक चुन सकता है जो या तो कॉसोलिडेशन फेस में है या डाउनट्रेंड का हिस्सा है।

यह रणनीति हमेशा काम करती है। एक बार आपने स्टॉक को चुन लेने और उससे जुड़े टाइम फ्रेम का निर्धारण करने के बाद आपको केवल कॉसोलिडेशन फेस की प्रतीक्षा करनी है।

डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न के साथ लचीलापन एक महत्वपूर्ण पहलू है। यह देखने में मदद करता है कि नये लो और नये लोअर हाई कैसे बने हैं। इस प्राइस एक्शन के स्पष्ट होने के बाद, आप आगे बढ़ सकते हैं और डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न खींच सकते हैं। एक समझदार ट्रेडर वॉल्यूम को देख कर डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न खींचने के लिये इसकी पुष्टि करता है।

वॉल्यूम के बारे में एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यह डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न के अंत तक पहुंचते पहुंचते बहुत कम होने लगता है। कम वॉल्यूम आमतौर पर ब्रेकआउट के करीब हो जाता है। कम वॉल्यूम की पहचान करने के बाद, पहले हाई और लो से दूरी नापना भी एक अच्छी रणनीति है।

फिर इसे ब्रेकआउट एरिया से प्रोजेक्ट किया जाता है और यह टार्गेट प्राइस बन जाता है।

मजबूत अल्पकालिक रणनीति

हैकिन-ऐशी चार्ट का उपयोग डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न के लिए एक शक्तिशाली अल्पकालिक ट्रेडिंग रणनीति है। ये चार्ट ट्रेंड को सही दिखाने में मदद करते हैं। इस रणनीति का उपयोग करते समय, ट्रेडर आमतौर पर इंतजार करते हैं जब तक कि डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न पूरी तरह से दिखाई नहीं देता है।

जब वे पैटर्न देखते हैं तो वे बाजार में तेजी के असर की तलाश करते हैं। ब्रेकआउट से ठीक पहले बाजार का यह विशेष चरित्र स्पष्ट है और इसे ब्रेकआउट से ठीक पहले लॉग पोजिशन बनाने के लिए एक संकेत के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस मामले में पहले हाई और पहले लो की दूरी को माप कर एक प्रोजेक्टिड प्राइस प्राप्त किया जाता है जो कि ब्रेकआउट लेवल बन सकता है। इस अवधि के वॉल्युम में बदलाव पर नजर रखना भी महत्वपूर्ण है।

बाजार की भावना देखने के लिए वॉल्यूम बार का महत्व है जो कि तेजी के लिये ब्रेकआउट होगा इसका अलर्ट ट्रेडर्स को दे सकते हैं।

तकनीकी संकेतों का उपयोग

स्टॉक ट्रेडर्स आमतौर पर चार्ट पैटर्न पर आजमाई हुई प्राइस एक्शन तकनीकों को लागू करते समय टेक्निकल इंडिकेटरों (Technical Indicators) का लाभ उठाते हैं। सबसे सरल इंडिकेटरों में से एक, ब्रेकआउट की संभावना का सटीक अनुमान लगाने के लिए मूविंग एवरेज तकनीक है।

तकनीक यह अनुमान लगाने में उपयोगी है कि अनुकूल मार्केट हालात में ट्रेडिंग शुरू करने के लिए ब्रेकआउट कब होगा।

मूविंग एवरेज जैसे तकनीकी इंडिकेटर के उपयोग करने पर वॉल्यूम अनुमान या सफल ट्रेडिंग पोजिशन लेने से पहले एक तेजी के सिग्नल की आवश्यकता नहीं होती है। ट्रेडर आमतौर पर बाजार में पकड़ हासिल करने के लिए डिसेंडिंग ट्रायंगल पैटर्न में तकनीकी इंडिकेटरों के साथ प्राइस टार्गेट लेवल का अनुमान जोड़ते हैं।

Bump and Run Reversal

बम्प एंड रन रिवर्सल कैसे होता है?

सेटअप इस तरह काम करता है; शेयर ऊपर की ओर जाने का संकेत दे रहा है ,निवेशकों कि वे स्टॉक का अधिग्रहण करना चाहिए, जैसे-जैसे दिन बढ़ता है, निवेशक स्टॉक के लिए बोली लगाते रहें और कीमत बढ़ जाती है। फिर एक घटना घटती है, जैसे कमाई, जिसके कारण व्यापारी बैंडवागन पर कूद पड़ते हैं और इससे भी अधिक बोली लगाते हैं स्टॉक। जैसे ही गति बढ़ती है, कीमत एक नई ऊंचाई बनाने के लिए ऊपर जाती है

झुकी हुई प्रवृत्ति रेखा। हालाँकि, वह तब होता है जब चीजें गलत होने लगती हैं।यहां मांग के साथ आपूर्ति पकड़ लेती है, व्यापारियों को लगता है कि स्टॉक की बोली चली गई है बहुत अधिक, और विक्रेता आते हैं और स्टॉक को नीचे धकेलते हैं। लीड-इन चरण के दौरान शुरुआत में वॉल्यूम अक्सर अधिक होता है, और फिर शुरुआत तक वॉल्यूम कम हो जाता है ,टक्कर, जो फिर अचानक बढ़ जाती है।

पैटर्न प्रकार: अप्रत्यक्ष

संकेत: मंदी
ब्रेकआउट कन्फर्मेशन: इस पैटर्न की पुष्टि लोअर के नीचे है लीड-इन चरण के दौरान औसत से ऊपर के साथ ट्रेंडलाइन निम्न स्तर पर खींची गई.

मापने: लीड-इन चरण में मूल्य लक्ष्य निम्नतम बिंदु है

वॉल्यूम: वॉल्यूम आमतौर पर चरण की शुरुआत में अधिक होता है और घटता है पूरे पैटर्न में।

Cup And Handle Pattern

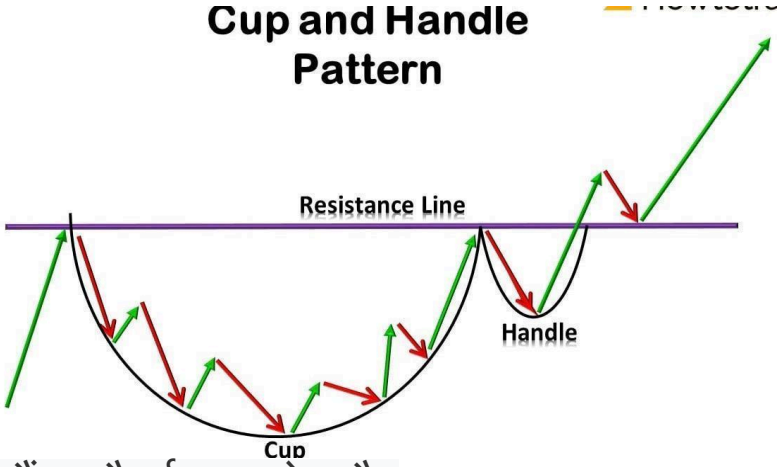

कप और हैंडल पैटर्न क्या होता है?

कप और हैंडल पैटर्न एक तेजी से जारी रहने वाला पैटर्न है जो एक ब्रेकआउट द्वारा सफल प्रतिभूति की कीमत को मजबूत करने का संकेत देता है, जिसके बाद लाभांश की कीमत बढ़ जाती है। समेकन की अवधि यू-आकार के कप होती है जबकि ब्रेकआउट को हैंडल द्वारा दर्शाया जाता है।

कप और हैंडल चार्ट के पैटर्न को अमेरिकी तकनीकी विश्लेषक द्वारा लोकप्रिय बनाया गया है

विलियम जे. ओ'नील ने अपनी पुस्तक हाउ टू मेक टू मनी इन स्टॉक्स 80 के दशक के अंत में। ओ'नील ने कुछ अंशों में कप और हैंडल की गहन विश्लेषण और पहचान प्रदान की। उन्होंने लिखा कि कप और हैंडल चार्ट पैटर्न अंतिम, समय अवधि में, 7 से लेकर 65 सप्ताह तक (ज्यादातर आमतौर पर तीन से छह महीने होते हैं) होती है। मूल्य पैटर्न के निचले बिंदु पर पूर्ण शिखर से सामान्य प्रतिशत सुधार 12% या 15% से 33% तक अलग-अलग होती है।

कप और हैंडल का गठन

1. एक कप और हैंडल का गठन एक ट्रेंड से पहले होना चाहिए ताकि यह एक निरंतरता पैटर्न के रूप में अर्हता प्राप्त कर सके। एक ट्रेंडर को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह कुछ महीने पुराना होता है, लेकिन इससे अधिक नहीं होता है। यदि कप और हैंडल का गठन बहुत परिपक्व होता है, तो इसका मतलब यह हो सकता है कि कंसोलिडेशन चरण कमजोर साइट पर है और इसलिए संभावित लाभ को चोट पहुंचाई है।

2. एक अधिक गोल बॉटम के साथ एक कप एक तेज बॉटम के साथ एक से अधिक बेहतर होता है। एक नरम यू-आकार बताता है कि प्रतिभूति की कीमत कप की दहलीज के आसपास और नीचे से समर्थन के साथ कुछ कमजोर अवधि के साथ सुधार के कोर्स का पालन करेगी।

3. हैंडल आदर्श रूप में एक या दो सप्ताह के भीतर होना चाहिए। जब कीमत कुछ सप्ताह पहले कम हो गई तो नीचे गिर सकती है, इसकी कीमत में गिरावट आई है।

4. कप की गहराई पिछले ऊपर की तरफ बढ़ने के 33% तक होनी चाहिए लेकिन सामान्य परिस्थितियों में अधिक नहीं होती है। हालांकि, अस्थिर बाजारों में यह 50% से नीचे और चरम स्थितियों में 66% तक जा सकती है।

5. आदर्श रूप से, एक कप और हैंडल के गठन के दोनों तरफ समान उच्चता होनी चाहिए, लेकिन आमतौर पर ऐसा नहीं होता है

ट्रेडिंग कप और हैंडल चार्ट पैटर्न

1. व्यापारियों को प्रतिरोध की लाइन से ऊपर ट्रेड की मात्रा में पर्याप्त वृद्धि से सफल ब्रेकआउट की खोज करनी चाहिए।

2. ब्रेकआउट से समान दूरी पर मूल्य लक्ष्य निर्धारित किया जा सकता है क्योंकि यह कप और ब्रेकआउट के नीचे होता है।

3. कप और हैंडल के गठन में एक ट्रेडर के प्रवेश के दो संभावित बिंदु होते हैं पहला ब्रेकआउट अवधि के बाद आता है। ट्रेड की मात्रा अक्सर इस मोड़ पर बढ़ जाती है और एक अच्छे प्रवेश बिंदु को बताती है।

4. दूसरा, जब प्रतिभूति की कीमत ब्रेकआउट के बाद प्रतिरोध की लाइन को फिर से हिट करती है। ट्रेडर्स भी एक लंबी स्थिति लेने पर विचार कर सकते हैं जब परिसंपत्ति कप और हैंडल पैटर्न के प्रतिरोध की लाइन को तोड़ती है।

5. हैंडल के निचले हिस्से में स्टॉप टारगेट सेट किया जा सकता है। अगर ट्रेंडर अधिक जोखिम उठा सकते हैं तो यह दो में से कई से बढ़ सकता है क्योंकि लाभ बड़ा हो सकता है।

निष्कर्ष

जबकि अनुभवी ट्रेडर्स के लिए कप और हैंडल चार्ट पैटर्न काफी आसान होता हैं, वे शेयर बाजारों में शुरुआती ट्रेडिंग करने के लिए मायावी हो सकते हैं। शेयर बाजार के अलावा, यह अक्सर विदेशी मुद्रा बाजार में ट्रेड करने में भी उपयोगी होता है। कप का एक स्पष्ट लाभ और अधिकांश अन्य कैंडलस्टिक चार्टों पर हैंडल का निर्माण होता है, इसमें अच्छी तरह से परिभाषित प्रविष्टि और स्टॉप स्तर होते हैं। हालांकि, इन पैटर्नों को बाजार में खेलने के लिए एक लंबी अवधि लगती है और अन्य तकनीकी संकेतकों द्वारा बड़े पैमाने पर सत्यापित करने की जरूरत होती है।

Double Bottom Pattern

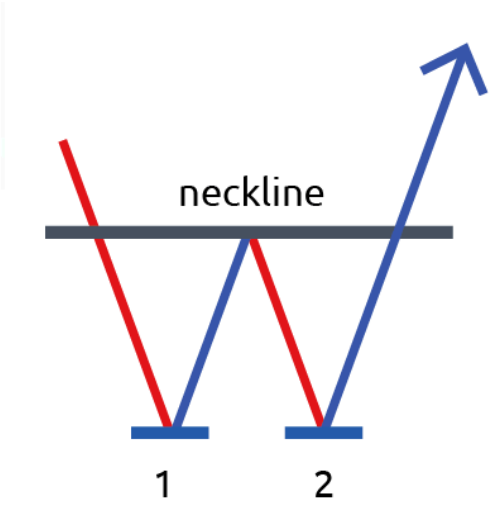

डबल बॉटम पैटर्न कैंडलस्टिक पैटर्न का एक प्रकार है इसकी विशेषता डब्ल्यू के आकार का मूल्य चार्ट है। हालांकि, यह बार चार्ट और लाइन चार्ट में भी पाया जा सकता है। डबल बॉटम की रचना तब होती है जब एक प्रतिभूति की कीमत गिरती है और क्रमशः दो बार बढ़ जाती है। चढ़ाव पैटर्न के दो 'बॉटम्स' हैं। आम तौर पर एक परिसंपत्ति की कीमत में एक डाउनट्रेंड के अंत में डबल बॉटम कि रचना होती है।

जब भी डबल बॉटम दिखाई देता है एक ट्रेंड रिवर्सल शुरू करने के लिए कहा जाता है क्योंकि यह आमतौर पर इंगित करता है कि एक संभावित अपट्रेंड कोर्नर के आसपास है। डबल बॉटम चार्ट पैटर्न एक प्रतिभूति के मध्यवर्ती से दीर्घकालिक मूल्य की चाल की संभावना बताने की कोशिश में सहायक है।

आमतौर पर कैंडलस्टिक चार्ट में एक डबल बॉटम पैटर्न का अध्ययन किया जाता है लेकिन इसे बार और लाइन चार्ट में भी देखा जा सकता है। कैंडलस्टिक पैटर्न तकनीकी विश्लेषण का महत्वपूर्ण उपकरण हैं – निवेश के स्कूल का मानना है कि एक व्यापारी एक प्रतिभूति के मूल्य की चाल का अध्ययन करके शेयर बाजार में लाभ की कमाई कर सकते हैं क्योंकि इतिहास खुद को दोहराता है — जिसका अर्थ है की पैटर्न्स दोहराते हैं।

कैंडलस्टिक्स दो प्रकार के हो सकते हैं – लाल या काला, यह दिखाते है की क्लोसिंग मूल्य से प्रतिभूति का ओपनिंग मूल्य ज्यादा है और हरा या हल्का, जिसका अर्थ है कि क्लोसिंग मूल्य ओपनिंग मूल्य से ज्यादा है। विक्क कैंडलस्टिक पैटर्न की एक और महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे शॅडो भी कहा जाता है, एक कैंडलस्टिक बार के ऊपरी या निचली सीमा पर ये रेखाएं एक ट्रेडिंग सत्र के दौरान प्रतिभूति की वृद्धि और कमी को दर्शाती हैं।

डबल बॉटम पैटर्न की रचना

सबसे पहले, पैटर्न की तलाश करते समय दो अलग-अलग उतार या डबल बॉटम की पहचान की जानी चाहिए। इसके अलावा, पहला बॉटम वर्तमान ट्रेंड का सबसे कम बिंदु होना चाहिए। किसी को भी दो बॉटम के बीच के अंतर की जांच करनी चाहिए – यह बहुत छोटा नहीं होना चाहिए। आम तौर पर यह पसंद किया जाता है कि 10-20% की सीमा में मूल्य के गिरावट पर पहला उतार होना चाहिए। अगला बॉटम पिछले बॉटम के 3-4% की सीमा में नहीं होना चाहिए।

जब प्रतिभूति की कीमत पहले बॉटम के बाद बढ़ जाती है, तो यह कुछ समय के लिए ऊपर के मूल्य के आसपास रह सकता है – नीचे की ओर फिर से जाने के लिए हिचकिचाहट का संकेत देता है। इसका आम तौर पर यह अर्थ है कि संपत्ति की मांग तेजी पर है लेकिन ब्रेकआउट के लिए अभी तक पर्याप्त मजबूती नहीं है।

पहला उतार और अगले उतार के बीच की अवधि एक से तीन महीने के बीच में कहीं भी हो सकती है। वॉल्यूम डबल बॉटम चार्ट पैटर्न का एक महत्वपूर्ण पैरामीटर है क्योंकि यह इंगित करता है कि खरीदी की ओर गति में बदलाव है। यह ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि इस तरह के किसी भी पैटर्न को रिवर्स करने के लिए एक पूर्व ट्रेंड होना चाहिए। डबल बॉटम चार्ट पैटर्न के लिए, पैटर्न के रचना से पहले एक पर्याप्त बड़ी मात्रा में कई महीनों की नीचे की गति होनी चाहिए।

डबल बॉटम और डबल टॉप के बीच का अंतर

हालांकि, डबल टॉप पैटर्न, कुछ मामलों में डबल बॉटम के समान है, लेकिन वे बिलकुल विपरीत हैं। जबकि टॉप पैटर्न एम-आकार का है, बाद वाला डब्ल्यू आकार का है। डबल टॉप एक मंदी रिवर्सल पैटर्न है, जब प्रतिभूति का मूल्य क्रमशः दो बार ऊपर की ओर जाता है तब टॉप पैटर्न की रचना होती है। आम तौर पर प्रतिरोध और संपत्ति के ऊपरी प्रक्षेपवक्र में गति की कमी का संकेत देने के लिए, दूसरा गोल टॉप पहले से थोड़ा नीचे होता है ।

डबल बॉटम चार्ट पैटर्न का व्यापार कैसे करें

— जब प्रतिभूति का मूल्य दूसरी बार ऊपर की ओर होता है और नेकलाइन के पास जाता है ,एक व्यापारी को कार्ड पर रिवर्सल को जानने के लिए, वॉल्यूम में एक महत्वपूर्ण विस्तार करना चाहिए। इसके अलावा, अन्य बाजार मूलभूत सिद्धांतों को भी इस संकेत का समर्थन करना चाहिए।

— एक पहले उतार के बाद ऊपर के मूल्य तक लंबे समय तक जा सकते हैं। डबल बॉटम पैटर्न में दूसरे उतार पर स्टॉप लॉस तय किया जा सकता है।

— लाभ के लिए टार्गेट मूल्य निर्धारित करते समय, प्रवेश मूल्य पर स्टॉप लॉस टार्गेट को दोगुना करने का लक्ष्य है।

— कभी कभी, जब प्रतिभूति का मूल्य नेकलाइन को (या प्रतिरोध) तोड़ देता है, यह एक नया समर्थन स्तर मिल सकता है और एक व्यापारी को लंबी स्थिति शुरू करने या कम जाने के लिए एक और मौका मिल सकता हैं।

निष्कर्ष

प्रतिभूति के संबंध में बाजार भाव में बदलाव का पता लगाने के लिए डबल बॉटम चार्ट पैटर्न एक बहुत ही उपयोगी उपकरण हो सकता है। हालांकि, अगर इसका सही ढंग से विश्लेषण नहीं किया गया हो, तो निवेशक या व्यापारी लाभ को खो सकते है। व्यापार करने से पहले डबल बॉटम पैटर्न की सत्यता को समझने के लिए हमेशा व्यापक बाजार और क्षेत्रीय संकेतकों को देखना चाहिए। हालांकि यह इंट्राडे चार्ट पर दिखाई दे सकता है, लेकिन लंबे समय के अंतराल के लिए पैटर्न का उपयोग करना बेहतर है।

Double Top Pattern

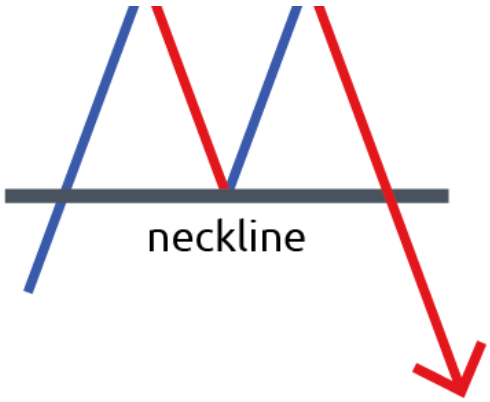

यह व्यापक रूप से माना जाता है कि आपको इक्विटी मार्केटों के माध्यम से धन को बढ़ाने के लिए लंबे समय तक निवेश करना होगा। लंबी अवधि के निवेशों के अपने लाभ होते है, यह आर्थिक रूप से सफल होने का एकमात्र रास्ता नहीं है। उचित ज्ञान, अनुसंधान और जोखिम प्रबंधन रणनीतियों के साथ ट्रेडिंग पुरस्कृत हो सकती है। सफलतापूर्वक व्यापार करने के लिए, आपको विभिन्न पैटर्नों को खोजने और उनके अर्थ को समझने के लिए उन पर गहरी नजर रखने की आवश्यकता है। जहाँ अधिकांश पैटर्न कैंडलस्टिक चार्ट के लिए खास होते हैं, वहीं डबल टॉप पैटर्न कैंडलस्टिक चार्ट के अलावा लाइन चार्ट और बार चार्ट में भी मिल सकते है।

निर्माण

यदि आपके पास लिए जाने वाले एक्शन का कोई विचार नहीं है तो फिर एक पैटर्न अपने आप में सहायक नहीं हो सकता है। पैटर्न को व्यापक रूप से दो पैटर्नों, सतत पैटर्न और रिवर्सल पैटर्न में वर्गीकृत किया जा सकता है। डबल टॉप चार्ट पैटर्न एक मजबूत मंदी का रिवर्सल पैटर्न है। यह एक लंबी रैली के अंत का संकेत देता है। जैसा कि नाम से पता चलता है, एक डबल टॉप चार्ट में दो उच्चिष्ठ और उनके बीच में एक निम्निष्ठ होता हैं।

एक बार दूसरे टॉप के बाद कीमतों के सपोर्ट लेवल से नीचे गिर जाने पर डबल टॉप पैटर्न की पुष्टि होती है। सपोर्ट लेवल दो शीर्षों के बीच सबसे नीचे होता है।

डबल टॉप पैटर्न का अर्थ

तकनीकी चार्ट पर डबल टॉप पैटर्न के निर्माण को खोजना आसान है। हालांकि, डबल टॉप पैटर्न सबसे गलत रूप से समझे जाने वाले पैटर्न में से एक है। दूसरे टॉप के निर्माण के बाद डबल टॉप पैटर्न की पुष्टि की जानी चाहिए। आइए हम इस बात का एक स्पष्ट विचार प्राप्त करने के लिए डबल टॉप के अर्थ को समझते हैं कि यदि ऐसा पैटर्न मिल जाए तो हमे क्या करना चाहिए।

टॉप का निर्माण स्पष्ट रूप से बाजार के नियंत्रण में बुल का संकेत है। बुल कीमत को टॉप तक ले जाते हैं जो कि एक सामान्य सुधार के बाद होता है। सही परिणाम दो टॉप के बीच निम्निष्ठ में प्राप्त होता है। गिरावट के बाद, बुल नियंत्रण लेता हैं और कीमत को ऊपर ले जाता हैं जो दूसरे टॉप का निर्माण करता हैं। दूसरे टॉप के निर्माण के बाद पैटर्न दिलचस्प हो जाता है। डबल टॉप चार्ट के मामले में एक महत्वपूर्ण बात नोट करने कि आवश्यकता है कि दूसरे टॉप का उच्चिष्ठ लगभग पहले टॉप के उच्चिष्ठ बराबर है, जो कि बुल के घनिष्ठ प्रभुत्व का संकेत देता है।

व्यापार कैसे करें?

दूसरे टॉप का निर्माण डबल टॉप पैटर्न के लिए एक इंफलेक्सन बिंदु है। दूसरे टॉप के निर्माण के बाद दो संभावनाएं हो सकती हैं। यदि बुल नियंत्रण हासिल करने में सक्षम होता हैं और कीमत को सपोर्ट लेवल से नीचे गिरने नहीं देता है, तो डबल टॉप पैटर्न नहीं बनता है। हालांकि, यदि बियर्स हावी है और कीमत सपोर्ट लेवल से नीचे गिर जाती है, जो कि दो टॉप के बीच कम होने के दौरान का स्तर है, तो डबल टॉप पैटर्न की पुष्टि हो जाती है। यह एक्सट्रीम रिवर्सल का एक संकेत है और तब किसी न किसी को सिक्योरिटी को आदर्श रूप से कम करना चाहिए।

डबल टॉप के निर्माण के आधार पर एक्शन लेते समय, कुछ कारकों को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है।

व्यापक ट्रेंड: डबल टॉप का निर्माण एक मंदी के उल्टे होने का ट्रेंड है। यह केवल तभी प्रभावी होता है जब यह व्यापक तेजी के ट्रेंड के बाद बनता है। एक डबल टॉप के निर्माण से पहले तेजी का ट्रेंड काफी लंबे समय के लिए होना चाहिए यानी कम से कम तीन महीने का होना चाहिए। एक छोटी रैली के बाद एक डबल टॉप पैटर्न से बचना चाहिए।

ऊँचाई: एक डबल टॉप के निर्माण की एक अलग ऊँचाई और गहराई होनी चाहिए। डबल टॉप पैटर्न की ऊँचाई या गहराई को अच्छी तरह से परिभाषित करने का कोई पैरामीटर नहीं है, हालांकि 10% का अंतर वांछनीय है। गहरे निचले स्तर के साथ डबल टॉप पैटर्न को रिवर्सल का एक मजबूत संकेत माना जाता है। लेकिन गहरे पैटर्न बनाने में अधिक समय लग सकता है।

चौड़ाई: यदि टॉप के निर्माण के बीच का समय अंतर, जिसे चौड़ाई भी कहा जाता है, काफी व्यापक है तो टॉप को आसानी से पहचाना जा सकता है। जबकि दो टॉप के बीच का अंतर कुछ महीनों या वर्षों का हो सकता है, परंतु एक महीने का न्यूनतम अंतर अवश्य होना चाहिए।

वॉल्यूम: व्यापार की वॉल्यूम सबसे मजबूत संकेतों में से एक है जो पैटर्न के निर्माण की पुष्टि करता है। दूसरे टॉप की वॉल्यूम आम तौर पर पहले टॉप से कम होती है। यदि दूसरे टॉप की वॉल्यूम पहले टॉप के बराबर या उससे अधिक है, तो रिवर्सल जारी नहीं रह सकता है और रैली जारी रह सकती है।

निष्कर्ष

इससे पहले कि संपत्ति के मूल्य में उल्लेखनीय गिरावट आए डबल टॉप पैटर्न व्यापारियों और निवेशकों को एक स्थिति से बाहर निकलने में मदद कर सकता है। एक्शन केवल वॉल्यूम, ऊँचाई और चौड़ाई जैसे अन्य संकेतकों के आपसी सामंजस्य के साथ डबल टॉप चार्ट पैटर्न के आधार पर लिया जा सकता है।

Falling Wedge Pattern

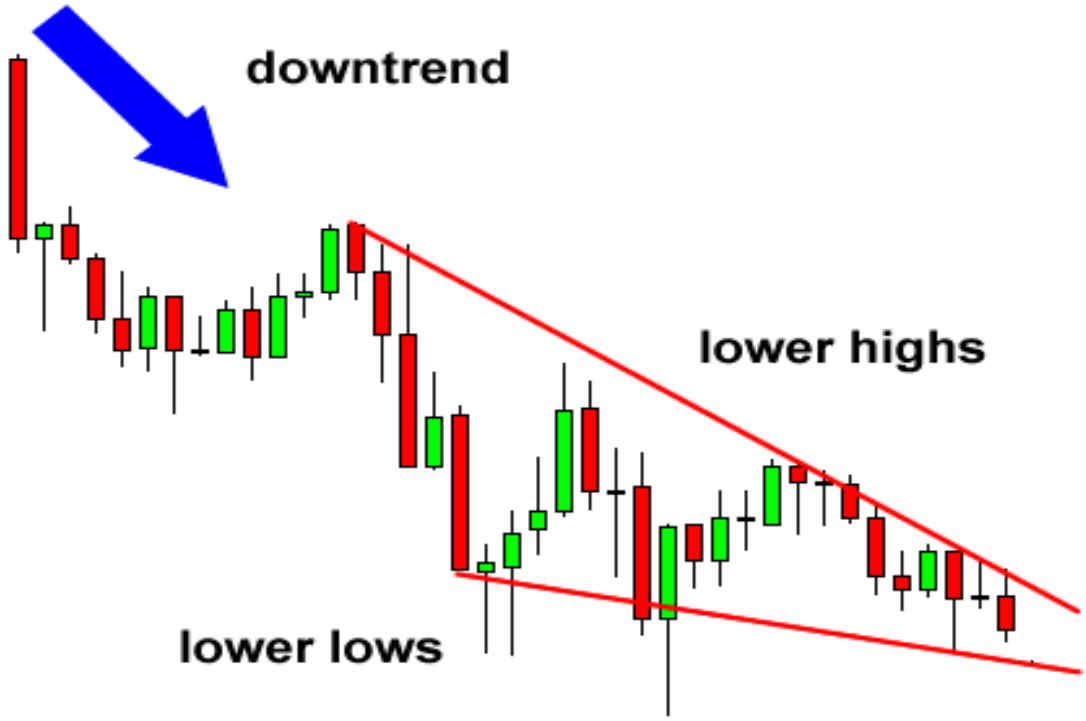

वेज पैटर्न शेयर बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव की गति को आँकने के लिए तकनीकी विश्लेषण में प्रयोग किए जाने वाले कैंडलस्टिक पैटर्न की एक श्रेणी हैं। कैंडलस्टिक पैटर्न को पहली बार स्टीव निसन द्वारा पश्चिमी दुनिया में पेश किया गया था जिसे जापानी चावल व्यापारियों द्वारा कमोडिटी बाजार में कीमतों के उतार-चढ़ाव की भविष्यवाणी करने के लिए इस्तेमाल किया गया था। इसके बाद से ही शेयर बाजार में व्यापारियों के बीच इस पैटर्न ने व्यापक स्वीकृति प्राप्त की है।

एक वेज पैटर्न तब उभरता है जब ट्रेडिंग पीरियड के दौरान प्रतिभूति की लगातार ऊंचाइयों और निचले स्तर को जोड़ने वाली दो लाइनें एकजुट होती हैं। इस प्रकार के

पैटर्न की घटना का मतलब है कि किसी एसेट के वैल्यू की सीमा कम हो रही है। वेज़ पैटर्न के दो मुख्य प्रकार हैं – बढ़ता वेज़ पैटर्न, कीमतों में तेजी का संकेत देना और वेज़ पैटर्न का गिरना, कीमतों में उतार-चढ़ाव की गिरावट का संकेत।

वेज पैटर्न आम तौर पर एक ट्रेंड के ऊपर या नीचे बनते हैं। एक वेज़, ट्रेडिंग करने के लिए कॉल करता है जब सीधी रेखाएं पैटर्न बनने के समय के अंदर मिलती है । एक वेज़ के पूरा होने में कुछ हफ्तों से लेकर 6 महीने के बीच का समय हो सकता है। इन पैटर्नों में एक ऊपर की ट्रेंड लाइन और एक नीचे की ट्रेंड लाइन एक ही बिंदु की ओर बनती है। वेज पैटर्न और ट्राईएंगल पैटर्न के बीच प्रस्थान का एक प्रमुख बिंदु, जिसमें ट्रेंडलाइन की एक जोड़ी भी है, और यह कि पूर्व श्रेणी में दोनों लाइनें या तो ऊपर की ओर झुकी हुई या नीचे की ओर झुकी हैं। जबकि ट्राईएंगल पैटर्न के मामले में केवल एक पंक्ति ऊपर/नीचे झुकी है।

फालिंग वेज पैटर्न क्या है?

फालिंग वेज, जिसे अवरोही वेज पैटर्न के रूप में भी जाना जाता है, तब दिखता है जब प्रतिभूति की कीमत लगातार कम ऊंचाई और निचले स्तर को छूती है, इस प्रकार कीमतों के उतार-चढ़ाव की सीमा को अनुबंधित करती है। यदि बाजार में मंदी की चाल के दौरान फालिंग वेज़ पैटर्न दिखाई देती है, तो इसे एक रिवर्सल पैटर्न माना जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सीमा के संकुचन का मतलब है कि किसी एसेट के संबंध में मंदी के उत्साह का खत्म होना।

हालांकि, अगर अवरोही वेज़ पैटर्न बाजार की चाल से ऊपर की ओर बदलाव के दौरान दिखाई देता है, तो इसे एक बुलिश पैटर्न माना जाता है। इसका कारण यह है कि इस मामले में सीमा में एक संकुचन दिखाता है कि एसेट की कीमत में सुधार कम हो रहा है और इसलिए यह एक मजबूत अपट्रेंड हो जाएगा। जैसे फालिंग वेज़ दोनों रूपों मे हो सकता है-रिवर्सल और निरंतर बुलिश पैटर्न और उस समय एक ट्रेंड में दिखाई देता है जिस पर यह निर्भर करता है।

फालिंग वेज पैटर्न की ट्रेडिंग

1 सबसे अच्छा मामले के परिदृश्य में, फालिंग वेज़ गिरावट की एक लंबी अवधि के बाद बनेगी और अंतिम कमी का संकेत देगी । यह केवल एक रिवर्सल पैटर्न के रूप में पात्र होता है यदि कोई पूर्ववर्ती ट्रेंड है

2 ऊपरी प्रतिरोध लाइन बनाने के लिए कम से कम दो हाई इंटेर्मिनेंट आवश्यक हैं। कम समर्थन लाइन बनाने के लिए कम से कम दो लो इंटेर्मिनेंट आवश्यक हैं

3 अवरोही वेज़ पैटर्न में क्रमिक ऊंचाई पिछली ऊंचाई से कम होना चाहिए और क्रमिक ऊंचाई पिछले उच्च स्तर से कम होना चाहिए

4 उथले कमी का मतलब है कि बियर बाजार के दबाव का नियंत्रण खो रहे हैं। इस तरह के निचले बिकवाली पक्ष के परिणामस्वरूप एक निचली समर्थन रेखा में ढलान होती है जो ऊपरी प्रतिरोध रेखा की तुलना में कम होती है

5 एक अवरोही वेज़ पैटर्न में ट्रेडों की मात्रा को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, हालांकि एक बढ़ते वेज़ पैटर्न का सच नहीं है। वॉल्यूम में वृद्धि के बिना, ब्रेकडाउन की अच्छी तरह से पुष्टि नहीं की जाएगी

निष्कर्ष

फालिंग वेज़ पैटर्न को शेयर बाजार में पहचानना और ट्रेड करना काफी मुश्किल हो सकता है। इस टूल का प्रयोग आमतौर पर एक बियर बाजार की गति में कमी लाने के लिए किया जाता है और विपरीत दिशा में एक संभावित बदलाव का संकेत देता है। हालांकि, ट्रेडिंग शुरू करने के लिए केवल ब्रेकडाउन का इंतजार करना पर्याप्त नहीं है – आरएसआई, स्टोचैस्टिक और ऑसिलेटर जैसे अन्य संकेतकों के साथ रिवर्सल की पुष्टि भी करनी चाहिए।

व्यापार शुरू करना तब बेहतर होता है जब प्रतिभूति की कीमतें शीर्ष ट्रेंड लाइन से ऊपर निकलती है। इसके बाद ट्रेडर को निचली ट्रेंड लाइन के नीचे स्टॉप लॉस को ठीक करना चाहिए। मूल्य लक्ष्य निर्धारित करने के लिए, वेज़ की ऊंचाई को मापें और ब्रेकडाउन बिंदु के बाद उस लंबाई का विस्तार करें।

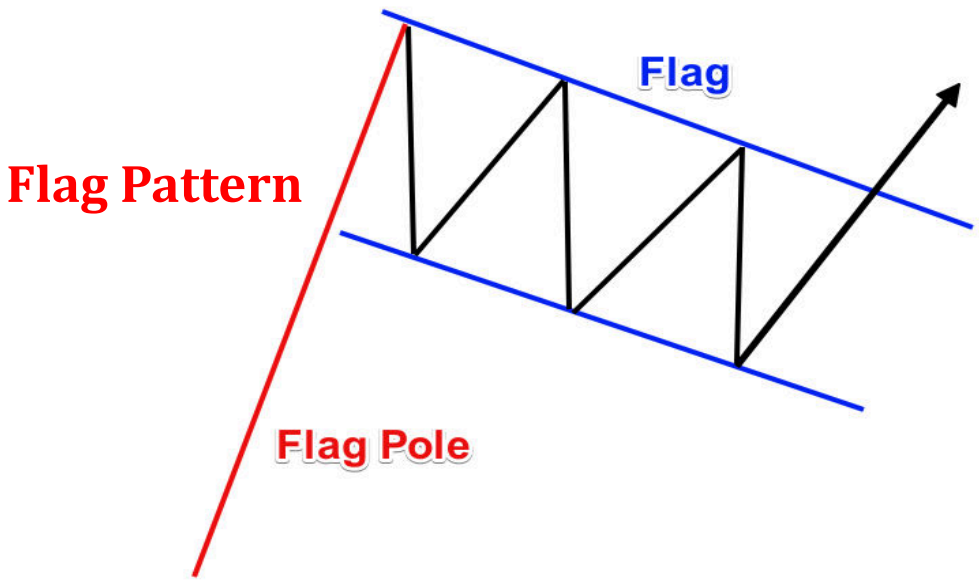

एक फ्लैग पैटर्न तकनीकी विश्लेषण से संबंधित शब्द है। यह एक पैटर्न है जो तब बनाया जाता है जब संकुचित मूल्य सीमा व्यापार के बाद तेजी से वृद्धि या गिरावट आती है, और फिर अंत में एक और तेज वृद्धि या गिरावट के साथ पूरा किया जाता है।

पैटर्न तब पूरा माना जाता है जब कीमत का दूसरा शार्प परिवर्तन पहले परिवर्तन के रूप में एक ही दिशा को बनाए रखता है, जैसा कि ऊपर वर्णित है – ट्रेंड किकस्टार्ट। फ्लैग पैटर्न कुछ हफ्तों तक चलने वाले अल्पकालिक पैटर्न होते हैं।

फ्लैग कैसा दिखता है?

— फ्लैग चार्ट में एक बॉडी और फ्लैग पोल होता है।

— बॉडी आयताकार आकार की होती है, जो एक दूसरे के समानांतर रहने वाली दो पंक्तियों से बनती है। आयताकार फ्लैगपोल से जुड़ा हुआ है, जो क्विक और बड़ा मूव है।

यदि आप फ्लैग चार्ट में रुचि रखते हैं, तो आप यह भी देखेंगे कि पीनेंट नामक एक और शब्द अक्सर एक दूसरे के लिए प्रयोग किया जाता है। हालांकि, फ्लैग और पीनेंट के बीच थोड़ा अंतर है। पीनेंट के मध्य सेक्शन में कन्वर्ज ट्रेंडलाइन होती है जबकि फ्लैग में के मध्य सेक्शन में कन्वर्ज ट्रेंडलाइन नहीं होती है।

बुल और बेअर फ्लैग्स

बुलिश फ्लैग पैटर्न और बेअरिश फ्लैग चार्ट पैटर्न होते हैं। बुलिश फ्लैग चार्ट पैटर्न एक अपट्रेंड के समय में होता है, और संकेत है कि वहाँ एक निरंतरता अपट्रेंड हो सकता है। दूसरी ओर, डाउनट्रेंड के दौरान व्यापारिक रूपों में बेअरिश फ्लैग चार्ट पैटर्न होता है । यह बेअरिश ट्रेंड के जारी रहने का प्रतीक है।

फ्लैग पैटर्न की पांच विशेषताएं हैं: पूर्ववर्ती ट्रेंड, समेकन चैनल, मात्रा पैटर्न, ब्रेकआउट, और पुष्टि जिसमें मूल्य परिवर्तन ब्रेकआउट के रूप में एक ही दिशा में रहता है।

फ्लैग पैटर्न ट्रेडिंग

बुल्स फ्लैग, अपट्रेंड के दौरान होता है, यह उच्च साइड की ओर स्ट्रोंग मूव के बाद कम और धीमे समेकन को रेखांकित करता है। इसका मतलब है कि डाउनवार्डस मूव की तुलना में अपवार्ड्स मूव पर खरीद ज्यादा है। यदि आप बुल्स फ्लैग व्यापार करना चाहते हैं, तो आप समेकन प्रतिरोध पर ब्रेकआउट करने के लिए कीमत का इंतजार कर सकते हैं ताकि आप एक प्रविष्टि (लंबे समय तक)की तलाश कर सकें। ब्रेकआउट का मतलब है कि इसके फॉर्मेशन से पहले ही ट्रेंड जारी है।

बुल्स फ्लैग की तरह लगने वाला बेअर फ्लैग चार्ट पैटर्न विपरीत ढंग से किया जाता है, जैसा कि पहले बताया गया यह डाउनट्रेंड में होता है । इसमें, बेअर फ्लैग निम्न साइड की ओर स्ट्रोंग मूव के बाद कम और धीमे समेकन को दर्शाता है। इसका मतलब है कि अपवार्ड्स मूव की तुलना में डाउनवार्डस मूव पर बिक्री ज्यादा है। सुरक्षा की गति नकारात्मक बनी हुई है।

यदि आप बेअर फ्लैग व्यापार करना चाहते हैं, तो आप समेकन सपोर्ट पर कीमत के ब्रेकडाउन करने तक इंतजार कर सकते हैं ताकि आप बाज़ार में प्रविष्टि (कम समय तक)की तलाश कर सकें।

मात्रा पर नजर रखें

— जब आप व्यापार में फ्लैग पैटर्न में रुचि रखते हैं तो मात्रा के लिए एक और आयाम ढूंढते हैं। यदि किसी भी फ्लैग पैटर्न के ब्रेकआउट के साथ कोई मात्रा नहीं है, तो इसका मतलब है कि सिग्नल विश्वसनीय नहीं है।

— यदि आप एक बेअर फ्लैग पैटर्न व्यापार कर रहे हैं, तो आप पोल में बढ़ती मात्रा देखना चाहते हैं, यानी, फ्लैग से पहले ट्रेंड। एक डाउनट्रेंड या फ्लैगपोल साथ बढ़ती मात्रा बिक्री पक्ष पर ज्यादा जोर देती है। एक आदर्श स्थिति में, फ्लैग में कम मात्रा होनी चाहिए।

— जब आप व्यापार में बुल्स फ्लैग पैटर्न देख रहे हैं, तो आप पोल में बढ़ती मात्रा देखना चाहेंगे। यह खरीद पक्ष पर ज्यादा जोर देगा। फ्लैग में इसके फॉर्मेशन में कम मात्रा होनी चाहिए।

— इसके अलावा, फ्लैग पैटर्न के व्यापारी एक उच्च-वॉल्यूम बार के साथ ब्रेकआउट देखना चाहते हैं, क्योंकि यह एक ठोस बल का संकेत है जो मूल्य को एक ट्रेंड में बदल देता है जो नवीनीकृत है।

स्टॉप लॉस

स्टॉप लॉस के सवाल पर, व्यापारियों ने आम तौर पर फ्लैग पैटर्न के प्रतिकूल पक्ष को स्टॉप-लॉस पॉइंट के रूप में सेट किया है।

निष्कर्ष

फ्लैग पैटर्न व्यापार में सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल चार्ट पैटर्न में से एक है। फ्लैगपोल फ्लैग से पहले ट्रेंड का संकेत है। फ्लैग, ट्रेंड के बाद समेकन का संकेत है। व्यापार में फ्लैग पैटर्न एक अल्पकालिक निरंतरता पैटर्न है जो छोटे समेकन का प्रतीक है जिसके

बाद पहले हुए परिवर्तन रिन्यू हो जाता है। ट्रेडर्स इस प्रकार ट्रेंड की निरंतरता की पहचान करने के लिए बुल्स और बेअर फ्लैग चार्ट पैटर्न दोनों का उपयोग करते हैं।

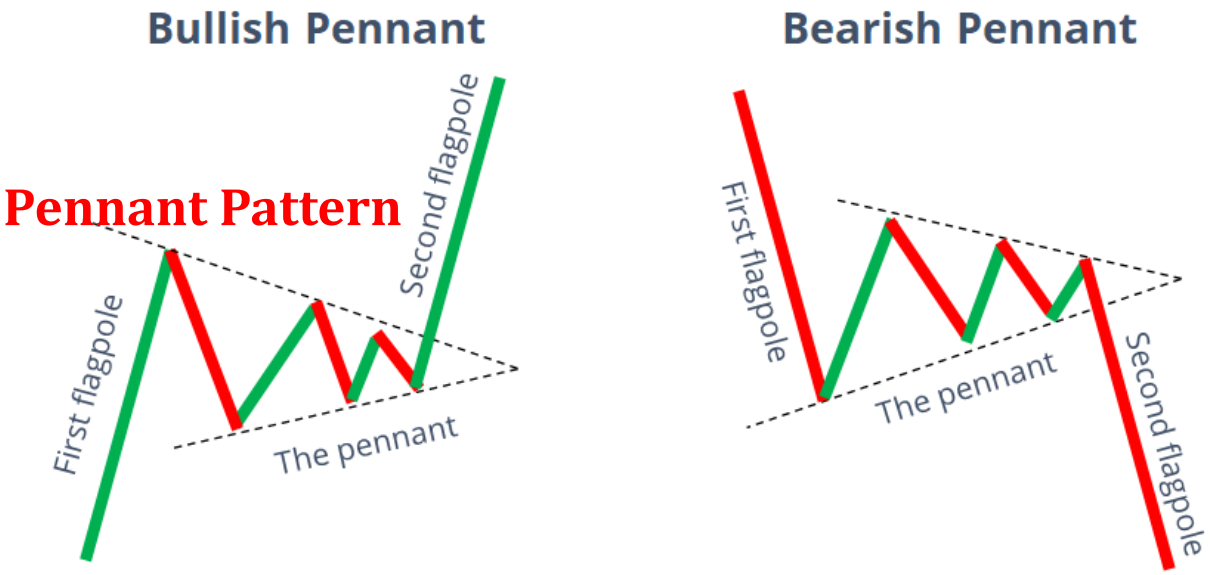

Bullish Pennant Pattern

बाजार में हम देखते हैं की एक बड़ी तेजी से बाजार ऊपर जाता हैं, यह मूव फ्लैग पैटर्न बनने में मदत करता हैं।

यह तेजी के मूव को हम फ्लैग पोल कहते हैं, याने झंडे का डंडा।

जब बाजार में इतना शार्प मूव आये, तब चार्ट में वॉल्यूम बढ़ता हुआ दिखाई देता हैं।

- इसके बाद प्राइस एक रेस्सिटेंस बनाता हैं और एक सिमित सिमा में चला जाता हैं।
- इस सिमा का झुकाव निचे की और होता हैं।
- इस सिमा के भीतर छोटे-छोटे सपोर्ट और रेसिस्टेन्स बनते हैं।
- रेजिस्टेंस को छूते हुए हमें ट्रेंड लाइन ऊपर की और खींचना हैं।
- इसी प्रकार सपोर्ट को छूते हुए हमें ट्रेंड लाइन निचे की और खींचना हैं।

अब यहाँ पर ध्यान रखने वाली बात यह हैं की फ्लैग पैटर्न में यह दोनों ट्रेंड लाइन, एक-दूसरे के समांतर होनी चाहिए।

यह एक छोटेसे चैनल की तरह दिखाई देता हैं।

इसके बाद प्राइस रेजिस्टेंस लाइन को तोड़कर उसके ऊपर चला जाये, तब यह पैटर्न पूरा होता हैं।

और एक बार फिर तेजी का ट्रेंड चलने लगता हैं।

Bearish Pennant Pattern

बाजार में हम देखते हैं की एक बड़ी तेजी से बाजार निचे आता हैं, यह मूव फ्लैग पैटर्न बनने में मदत करता हैं।

यह मंदी के मूव को हम फ्लैग पोल कहते हैं, याने झंडे का डंडा।

जब बाजार में इतना शार्प मूव आये तब चार्ट में वॉल्यूम बढ़ता हुआ दिखाई देता हैं।

- इसके बाद प्राइस एक रेस्सिटेंस बनता हैं और एक सिमित सिमा में चला जाता हैं।
- इस सिमा का झुकाव ऊपर की और होता हैं।
- इस सिमा के भीतर छोटे-छोटे सपोर्ट और रेसिस्टेन्स बनते हैं।
- रेजिस्टेंस को छूते हुए हमें ट्रेंड लाइन ऊपर की और खींचना हैं।
- इसी प्रकार सपोर्ट को छूते हुए हमें ट्रेंड लाइन निचे की और खींचना हैं।

अब यहाँ पर ध्यान रखने वाली बात यह हैं की फ्लैग पैटर्न में यह दोनों ट्रेंड लाइन, एक-दूसरे के समांतर होनी चाहिए।

यह एक छोटेसे चैनल की तरह दिखाई देता हैं।

इसके बाद प्राइस सपोर्ट लाइन को तोड़कर उसके निचे चला जाये, तब यह पैटर्न पूरा होता हैं।

और एक बार फिर मंदी का ट्रेंड चलने लगता हैं।
पेनन्ट और फ्लैग पैटर्न में थोड़ा सा फरक होता हैं।

कंसॉलिडेशन के समय दोनों ट्रेंड लाइन समान्तर न होकर एक दूसरे को एक पॉइंट पर आकर मिलती हैं।

इसके बाद जब प्राइस सपोर्ट लाइन को तोड़कर उसके निचे निकल जाये तब यह पैटर्न पूरा हो जाता हैं और मंदी का ट्रेंड एक बार फिर चलने लगता हैं।

प्रकार इस पैटर्न की रचना होती हैं।

Flag and Pennant ट्रेडिंग स्ट्रेटेजी।

Buying

अगर आप को चार्ट पर बुलिश फ्लैग पैटर्न बनता हुआ दिखाई दे, तो आप को सबसे पहले सपोर्ट और रेजिस्टेंस को छूते हुए ट्रेंड लाइन खींचनी हैं।

इसमें खरेदी करने के लिए यह देखना हैं की जब कोई कैंडल बुलिश फ्लैग पैटर्न के रेजिस्टेंस के ऊपर क्लोजिंग दे-दे तो उसके बाद वाली कैंडल में हमें खरीदारी करनी हैं।

ख़रीदारी करने के तुरंत बाद जिस जिस कैंडल ने रेजिस्टेंस लाइन के ऊपर क्लोजिंग दी हैं, उसके लौ के निचे का स्टॉप लोस्स लगाना हैं।

Selling

अगर आप को चार्ट पर बेयरिश फ्लैग पैटर्न बनता हुआ दिखाई दे, तो आप को सबसे पहले सपोर्ट और रेजिस्टेंस को छूते हुए ट्रेंड लाइन खींचनी हैं।

इसमें सेल्लिंग करने के लिए यह देखना हैं की जब कोई कैंडल बेयरिश फ्लैग पैटर्न के सपोर्ट के निचे क्लोजिंग दे-दे, तो उसके बाद वाली कैंडल में हमें सेल्लिंग करनी हैं।

सेल्लिंग करने के तुरंत बाद जिस कैंडल ने सपोर्ट लाइन के निचे क्लोजिंग दी हैं, उसके हाई के ऊपर का स्टॉप लोस्स लगाना हैं।

प्रॉफिट बुक करने के लिए हमें यह देखना है की जब कोई ट्रेंड रेवेर्सल दिखे उसके बाद तुरंत प्रॉफिट बुक करे।

ट्रेडिंग स्टॉक्स एक पेचीदा व्यवसाय हो सकता है। जैसा कि एक पेशेवर तकनीकी विश्लेषक आपको बताएगा; एक्सचेंज पर ट्रेडिंग करने वाले सभी इंस्ट्रूमेंट्स, स्टॉक, फ्यूचर्स, कमोडिटीज या इंडेक्स अक्सर पैटर्न बनाते हैं। ये पैटर्न मानव व्यवहार द्वारा शासित होते हैं और समानता के बदलते स्तरों के साथ दिखाई देते हैं। जबकि दो पैटर्न एक–दूसरे के समान नहीं हो सकते हैं, कई पहचानने योग्य सुविधाएँ आवर्ती रहती हैं, जो व्यापारियों को कीमतों और रुझानों के आंदोलन की पहचान करने और भविष्यवाणी करने में मदद करती हैं। पेशेवर व्यापारियों द्वारा मान्यता प्राप्त एक ऐसा विशिष्ट पैटर्न हेड एंड शोल्डर का पैटर्न है। यहाँ इस विस्तृत स्टॉक् ट्रेडिंग पैटर्न पर एक विस्तृत गाइड है।

हेड एंड शोल्डर का पैटर्न क्या है?

सबसे सुसंगत ट्रेंड उत्क्रमण पैटर्न में से एक के रूप में माना जाता है, हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न मुख्य रूप से एक प्राइस रेवेर्सल पैटर्न है। यह एक बाजार की पहचान में व्यापारियों को एक आगामी ट्रेंड को उलटने में मदद करता है एक ट्रेंड के बाद खुद को थका हुआ लगता है। उलटा अनिवार्य रूप से एक मंदी की ट्रेंड में तेजी की भविष्यवाणी करता है या संकेत देता है, यह दर्शाता है कि एक अपट्रेंड समाप्त हो गया है। पैटर्न एक आधार रेखा के रूप में दिखाई देता है, जिसमें तीन चोटियाँ होती हैं, जिसमें बाहर की दो चोटियाँ ऊँचाई के करीब होती हैं जबकि बीच की एक चोटी सबसे ऊँची होती है। यह एक नेकलाइन फॉर्मेशन के साथ एक विशिष्ट, 'लेफ्ट शोल्डर', 'हेड' और 'राइट शोल्डर' जैसा दिखता है।

यह समझना कि हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न कैसे काम करता है

हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न तब बनता है जब किसी स्टॉक् की कीमत चरम पर पहुंच जाती है, जिसके बाद वह अपने पूर्व चाल–चलन के आधार पर वापस आ जाता है। अगला, स्टॉक मूल्य एक बार फिर से बढ़ जाता है, इस बार अपने पिछले शिखर से ऊपर और "नोज" बनाता है, एक बार फिर से अपने मूल स्थान पर वापस आने से पहले। बाद में, स्टॉक् की कीमत एक बार फिर से बढ़ जाती है, लेकिन पहले स्तर पर, यानी गठन का प्रारंभिक शिखर, इससे पहले कि यह नेकलाइन या चार्ट पैटर्न के आधार पर वापस एक बार फिर से घटता है।

व्यापारियों द्वारा हेड और शोल्डर के पैटर्न को विश्वसनीय माने जाने के छह कारण

कोई ट्रेडिंग पैटर्न आमतौर पर सही नहीं होता है; यह हमेशा काम नहीं करता है। इसके बावजूद, कई व्यापारियों का मानना है कि हेड और शोल्डर चार्ट पैटर्न सैद्धांतिक रूप से काम करते हैं। यहां कुछ कारण हैं कि व्यापारी इस चार्ट पैटर्न को अन्य की तुलना में अधिक विश्वसनीय क्यों मानते हैं।

1. जैसा कि स्टॉक् की कीमतें एक बाजार उच्च (हेड) से गिरती हैं, व्यापारी बता सकते हैं कि विक्रेताओं ने बाजार में प्रवेश करना शुरू कर दिया है, जो कम आक्रामक खरीद की विशेषता है।

2. जैसा कि नेकलाइन के संपर्क में आ रहा है, कई खरीदार जिन्होंने अंतिम लहर के दौरान या दाएं शोल्डर की रैली के दौरान खरीदारी की, वे अब गलत साबित हो रहे हैं और भारी नुकसान का सामना कर रहे हैं। खरीदारों का यह बड़ा समूह अब अपने पदों से बाहर निकलने के लिए तैयार है, जो बदले में कीमतों को लाभ लक्ष्य के करीब ले जाता है।

3. चार्ट पैटर्न में दाहिने शोल्डर के ऊपर स्थित स्टॉप तार्किक है, क्योंकि यह ट्रेंड अब नीचे की ओर शिफ्ट हो गया है। याद रखें कि सिर की तुलना में दाहिना कंधा कम ऊंचाई पर है, यही कारण है कि अपट्रेंड के फिर से शुरू होने तक इसके टूटने की संभावना नहीं है।

4. लाभ लक्ष्य के लिए, यह धारणा है कि खरीदार, जो गलत हैं और बुरे समय पर स्टॉक खरीदा है, उनके पास अपनी स्थिति से बाहर निकलने के लिए बहुत कम विकल्प हो सकते हैं। यह टॉपिंग पैटर्न के कुछ हद तक उलट–पुलट के परिणामस्वरूप होता है, जो हाल ही में हुआ था।

5. अब, नेकलाइन वह बिंदु बन जाता है जहां व्यापारियों का एक बड़ा समूह अपने निवेश के दर्द का अनुभव करना शुरू कर देता है और उनके पास अपने पदों से बाहर निकलने के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। यह स्थिति मूल्य लक्ष्य के प्रति सुरक्षा की कीमत को और बढ़ा देती है।

6. अंत में, ट्रेड किए गए स्टॉक की मात्रा को भी देखा जा सकता है। इनवर्टेड और हेड और शोल्डर के पैटर्न या मार्केट बॉटम्स के दौरान, व्यापारी आमतौर पर स्टॉक वॉल्यूम को विस्तारित करना पसंद करते हैं, जब भी ब्रेकआउट होता है। यह स्थिति खरीदने में बढ़ी हुई रुचि को प्रदर्शित करती है, बदले में स्टॉक की कीमत को लक्ष्य की ओर ले जा सकती है। दूसरी ओर, एक घटती मात्रा इंगित करती है कि खरीदार ऊपर कदम उठाने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं, जो थोड़ा संदेह का संकेत देते हैं।

अंतिम नोट:

जैसा कि स्पष्ट है, इनवर्टेड हेड के साथ हेड और शोल्डर चार्ट पैटर्न को पढ़ना और समझना आसान है। एंजेल वन सलाहकारों से थोड़ी सी प्रैक्टिस और मदद से, आप भी विभिन्न चार्ट पैटर्न का सीखना और विश्लेषण करना शुरू कर सकते हैं। निवेश और व्यापार विश्लेषण जानकारी के लिए एंजेल वन के ट्रेडिंग विशेषज्ञों की हमारी टीम से संपर्क करें ।

Inverse Head And Shoulders Pattern

ट्रेडिंग स्टॉक्स एक पेचीदा व्यवसाय हो सकता है। जैसा कि एक पेशेवर तकनीकी विश्लेषक आपको बताएगा; एक्सचेंज पर ट्रेडिंग करने वाले सभी इंस्ट्रूमेंट्स, स्टॉक, फ्यूचर्स, कमोडिटीज या इंडेक्स अक्सर पैटर्न बनाते हैं। ये पैटर्न मानव व्यवहार द्वारा शासित होते हैं और समानता के बदलते स्तरों के साथ दिखाई देते हैं। जबकि दो पैटर्न एक–दूसरे के समान नहीं हो सकते हैं, कई पहचानने योग्य सुविधाएँ आवर्ती रहती हैं, जो व्यापारियों को कीमतों और रुझानों के आंदोलन की पहचान करने और भविष्यवाणी करने में मदद करती हैं। पेशेवर व्यापारियों द्वारा मान्यता प्राप्त एक ऐसा विशिष्ट पैटर्न हेड एंड शोल्डर का पैटर्न है। यहाँ इस विस्तृत स्टॉक् ट्रेडिंग पैटर्न पर एक विस्तृत गाइड है।

हेड एंड शोल्डर का पैटर्न क्या है?

सबसे सुसंगत ट्रेंड उत्क्रमण पैटर्न में से एक के रूप में माना जाता है, हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न मुख्य रूप से एक प्राइस रेवेर्सल पैटर्न है। यह एक बाजार की पहचान में व्यापारियों को एक आगामी ट्रेंड को उलटने में मदद करता है एक ट्रेंड के बाद खुद को थका हुआ लगता है। उलटा अनिवार्य रूप से एक मंदी की ट्रेंड में तेजी की भविष्यवाणी करता है या संकेत देता है, यह दर्शाता है कि एक अपट्रेंड समाप्त हो गया है। पैटर्न एक आधार रेखा के रूप में दिखाई देता है, जिसमें तीन चोटियाँ होती हैं, जिसमें बाहर की दो चोटियाँ ऊँचाई के करीब होती हैं जबकि बीच की एक चोटी सबसे ऊँची होती है। यह एक नेकलाइन फॉर्मेशन के साथ एक विशिष्ट, 'लेफ्ट शोल्डर', 'हेड' और 'राइट शोल्डर' जैसा दिखता है।

यह समझना कि हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न कैसे काम करता है

हेड एंड शोल्डर चार्ट पैटर्न तब बनता है जब किसी स्टॉक् की कीमत चरम पर पहुंच जाती है, जिसके बाद वह अपने पूर्व चाल–चलन के आधार पर वापस आ जाता है। अगला, स्टॉक मूल्य एक बार फिर से बढ़ जाता है, इस बार अपने पिछले शिखर से ऊपर और "नोज" बनाता है, एक बार फिर से अपने मूल स्थान पर वापस आने से पहले। बाद में, स्टॉक् की कीमत एक बार फिर से बढ़ जाती है, लेकिन पहले स्तर पर, यानी गठन का प्रारंभिक शिखर, इससे पहले कि यह नेकलाइन या चार्ट पैटर्न के आधार पर वापस एक बार फिर से घटता है।

इनवर्स हेड और शोल्डर पैटर्न क्या है?

इनवर्टेड या इनवर्स हेड और शोल्डर का पैटर्न रेगुलर हेड और शोल्डर के पैटर्न के विपरीत है। इसे उलटा होने के कारण हेड और शोल्डर के नीचे भी माना जाता है। जब सुरक्षा की कीमत कार्रवाई कुछ आवर्ती विशेषताओं को प्रदर्शित करती है तो इनवर्टेड पैटर्न स्पष्ट हो जाता है। उदाहरण के लिए, इनवर्टेड पैटर्न तब प्रकट होता है जब स्टॉक की कीमत फिर से बढ़ने से पहले एक गर्त में गिर जाती है। जब पैटर्न की कीमत पूर्व गर्त से नीचे गिर जाती है और अंतिम गिरावट से पहले फिर से बढ़ जाती है तो पैटर्न फिर से दिखाई देता है। लेकिन वृद्धि उतनी नहीं है जितने दूसरे गर्त है। अंतिम गर्त बनाने पर, स्टॉक मूल्य

ऊपर की ओर बढ़ना शुरू हो जाता है, प्रतिरोध की ओर जो पिछले गर्त के शीर्ष के करीब पाया जाता है।

इनवर्टेड हेड और शोल्डर के पैटर्न को डिकोड करना

रेगुलर हेड और शोल्डर के पैटर्न की तरह, इनवर्स हेड और शोल्डर का पैटर्न एक विश्वसनीय पैटर्न है जो यह संकेत दे सकता है कि नीचे की ओर की ट्रेंड कुछ ही समय में ऊपर की ओर चल सकती है। जब ऐसा होता है, तो स्टॉक की कीमत तीन लगातार चढ़ाव तक पहुंच जाती है और अल्पकालिक, पासिंग रैलियों द्वारा अलग हो जाती है। इनमें से, पहला और तीसरा कुंड (शोल्डर) मामूली उथले हैं, जबकि दूसरा कुंड (हेड) सबसे कम है। अंतिम रैली, जो तीसरी डीप के बाद प्रकट होती है, मंदी की ट्रेंड के उलट होने का संकेत देती है और यह तथ्य कि स्टॉक की कीमत सबसे ऊपर जाने की संभावना है।

व्यापारियों द्वारा हेड और शोल्डर के पैटर्न को विश्वसनीय माने जाने के छह कारण

कोई ट्रेडिंग पैटर्न आमतौर पर सही नहीं होता है; यह हमेशा काम नहीं करता है। इसके बावजूद, कई व्यापारियों का मानना है कि हेड और शोल्डर चार्ट पैटर्न सैद्धांतिक रूप से काम करते हैं। यहां कुछ कारण हैं कि व्यापारी इस चार्ट पैटर्न को अन्य की तुलना में अधिक विश्वसनीय क्यों मानते हैं।

1. जैसा कि स्टॉक् की कीमतें एक बाजार उच्च (हेड) से गिरती हैं, व्यापारी बता सकते हैं कि विक्रेताओं ने बाजार में प्रवेश करना शुरू कर दिया है, जो कम आक्रामक खरीद की विशेषता है।

2. जैसा कि नेकलाइन के संपर्क में आ रहा है, कई खरीदार जिन्होंने अंतिम लहर के दौरान या दाएं शोल्डर की रैली के दौरान खरीदारी की, वे अब गलत साबित हो रहे हैं और भारी नुकसान का सामना कर रहे हैं। खरीदारों का यह बड़ा समूह अब अपने पदों से बाहर निकलने के लिए तैयार है, जो बदले में कीमतों को लाभ लक्ष्य के करीब ले जाता है।

3. चार्ट पैटर्न में दाहिने शोल्डर के ऊपर स्थित स्टॉप तार्किक है, क्योंकि यह ट्रेंड अब नीचे की ओर शिफ्ट हो गया है। याद रखें कि सिर की तुलना में दाहिना कंधा कम ऊंचाई पर है, यही कारण है कि अपट्रेंड के फिर से शुरू होने तक इसके टूटने की संभावना नहीं है।

4. लाभ लक्ष्य के लिए, यह धारणा है कि खरीदार, जो गलत हैं और बुरे समय पर स्टॉक खरीदा है, उनके पास अपनी स्थिति से बाहर निकलने के लिए बहुत कम विकल्प हो सकते हैं। यह टॉपिंग पैटर्न के कुछ हद तक उलट–पुलट के परिणामस्वरूप होता है, जो हाल ही में हुआ था।

5. अब, नेकलाइन वह बिंदु बन जाता है जहां व्यापारियों का एक बड़ा समूह अपने निवेश के दर्द का अनुभव करना शुरू कर देता है और उनके पास अपने पदों से बाहर निकलने के अलावा बहुत कम विकल्प होते हैं। यह स्थिति मूल्य लक्ष्य के प्रति सुरक्षा की कीमत को और बढ़ा देती है।

6. अंत में, ट्रेड किए गए स्टॉक की मात्रा को भी देखा जा सकता है। इनवर्टेड और हेड और शोल्डर के पैटर्न या मार्केट बॉटम्स के दौरान, व्यापारी आमतौर पर स्टॉक वॉल्यूम को विस्तारित करना पसंद करते हैं, जब भी ब्रेकआउट होता है। यह स्थिति खरीदने में बढ़ी हुई रुचि को प्रदर्शित करती है, बदले में स्टॉक की कीमत को लक्ष्य की ओर ले जा सकती है। दूसरी ओर, एक घटती मात्रा इंगित करती है कि खरीदार ऊपर कदम उठाने में दिलचस्पी नहीं रखते हैं, जो थोड़ा संदेह का संकेत देते हैं।

अंतिम नोट:

जैसा कि स्पष्ट है, इनवर्टेड हेड के साथ हेड और शोल्डर चार्ट पैटर्न को पढ़ना और समझना आसान है। एंजेल वन सलाहकारों से थोड़ी सी प्रैक्टिस और मदद से, आप भी विभिन्न चार्ट पैटर्न का सीखना और विश्लेषण करना शुरू कर सकते हैं। निवेश और व्यापार विश्लेषण जानकारी के लिए एंजेल वन के ट्रेडिंग विशेषज्ञों की हमारी टीम से संपर्क करें ।

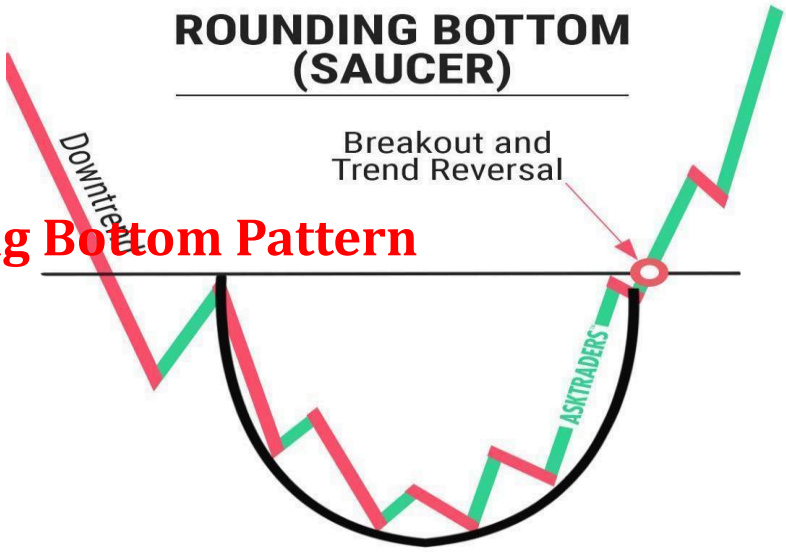

Rounding Bottom Pattern

राउंडिंग बॉटम पैटर्न निर्माण

यह कैंडलस्टिक पैटर्न (candletick patterns in hindi), किसी भी अन्य चार्टिंग पैटर्न की तरह एक बिंदु से अपनी यात्रा शुरू करता है जब तक कि यह पूरी तरह से बन नहीं जाता है और ट्रेडर्स और निवेशकों को दिखने लगता है। आइए जल्दी से यह समझने की कोशिश करें कि कैंडलस्टिक पैटर्न के पूरे चार्ट का निर्माण कैसे होता है।

गिरती हुई बनावट

इस पैटर्न में पहले गिरती हुई बनावट दिखती है जो बाद में ऊपर की तरफ पलट जाती है। गोलाई के निचले पैटर्न का निचला बिंदु रिएक्शन की वजह से बने न्यूनतम बिंदु को दर्शाता है। यह न्यूनतम बिंदु हमेशा एक ही समय में नहीं बनता है, बल्कि बाकी पैटर्न का अवलोकन करता है।

पैटर्न के गठन से कई महीने पहले तक भी यह रिकॉर्ड किया जा सकता है जब तक कि सिक्योरिटी ट्रेडिंग पैटर्न के गठन से ठीक पहले सपाट न हो जाए। उस समय जब पैटर्न बनता है, पैटर्न का न्यूनतम बिंदु पिछले कुछ महीनों के दौरान बने न्यूनतम बिंदु से कम भी हो सकता है। पैटर्न की शुरुआत में गिरावट की प्रवृत्ति रहती है जो इसे पैटर्न के न्यूनतम बिंदु तक ले जाती है।

गिरती हुई बनावट में कभी-कभी कीमतों में उतार और चढ़ाव की प्रतिक्रिया की एक श्रृंखला होती है जिसके कारण इसकी बनावट दांतेदार हो जाती है। कभी-कभी इसमें एक समतल बनावट होने की संभावना भी हो सकती है।

बढ़ती हुई बनावट

पैटर्न का दायीं तरफ का आधा ट्रेंड बढ़ती हुई बनावट में कैंडलस्टिक्स को दिखाता है और लगभग पूर्ववर्ती पैटर्न के समान ही होता है।

वक्र के दूसरे हिस्से में बढ़त यदि बहुत तेज हो तो जरूरी नहीं है कि यह पैट्रन गोल ही बनेगा। जब पैटर्न उस उंचाई को पार कर जाता है जहां से यह गिरना शुरू हुआ था तो यह बुलिश ट्रेंड की कंनफर्मेशन की निशानी है।

यह पैटर्न अन्य बाधाओं के टूटने यानी रसिस्टेंस ब्रेकआउट के समान ही है और ब्रेकआउट का स्तर इसका समर्थन बिंदु यानी स्पोर्ट लेवल बन जाता है।

सिक्योरिटी का वॉल्यूम स्तर संपूर्ण ट्रेंड में राउंडिंग बॉटम पैटर्न के आकार को परिभाषित करता हैं। इसका मतलब यह है कि गिरावट की प्रवृत्ति की शुरुआत में ट्रेडिंग की मात्रा हाई होती है। गिरावट की समाप्ति कम वॉल्यूम को इंगित करती है, और बाकी ट्रेंड वॉल्यूम में क्रमिक वृद्धि के कारण बढ़ती प्रवृत्ति को दर्शाता है।

ब्रेकआउट में भी वॉल्यूम में वृद्धि ही दिखाई देती है।

अन्य पैटर्नों के साथ समानता

राउंडिंग बॉटम पैटर्न कुछ अर्थों में हैड एंड शोल्डर पैटर्न के समान है, इस अर्थ में कि यह हैड को तो दिखाता है, लेकिन शोल्डर्स को नहीं। पैटर्न का निचला भाग हैड एंड शोल्डर पैटर्न के गठन से मेल खाता है क्योंकि हैड पैटर्न के केंद्र में स्थित है।

अन्य समानताएं वॉल्यूम के वितरण, गिरावट की प्रवृत्ति और अग्रिम प्रवृत्ति के संदर्भ में मौजूद हैं। रसिस्टेंस ब्रेकआउट पर वॉल्यूम का स्तर भी एक तरह से हैड एंड शोल्डर पैटर्न की तरह बदल जाता है।

गोलाई का निचला पैटर्न उल्टे हैड एंड शोल्डर पैटर्न से अलग होता है क्योंकि इसका तल एक तश्तरी के रूप में दिखाई देता है, धीरे-धीरे लंबे समय तक विकसित होता है, और इसलिए, इसके तल पर वी-आकार नहीं दिखता है।

सॉसर बॉटम और हाफ पाईप बॉटम में गोलाई के निचले स्तर पर समानता दिखती है। कप एंड हैंडल पैटर्न में, ब्रेकआउट के ठीक पहले थोड़ी गिरावट देखी जाती है।

राउंडिंग बॉटम पैटर्न में ट्रेडिंग

राउंडिंग बॉटम पैटर्न उन लोगों के लिए आदर्श है, जो लंबी अवधि में मुनाफा कमाने में यकीन रखते हैं।

जो निवेशक धैर्य रखने में सक्षम हैं वे इस पैटर्न के साथ अच्छी कमाई करते हैं, क्योंकि कीमतों में बदलाव से पहले इस पैटर्न को विकसित होने में समय लग सकता है। पैटर्न के बाएं-आधे हिस्से में गिरावट की धीमी दर रह सकती है। टर्नअराउंड के बाद भी अकसर बुलिश एरिया में क्रमिक वृद्धि होती है।

कीमतों में परिवर्तन की इस दर के परिणामस्वरूप ट्रेडर अक्सर पैटर्न के बाईं और दाईं ओर बनावट में समरूपता पाता है। धीरे-धीरे मंदी से तेजी के सेंटीमेंट में बदलाव आने में ज्यादा समय लगता है।

मंदी की प्रवृत्ति से तेजी की प्रवृत्ति की तरफ मूल्य में बदलाव राउंडिंग बॉटम पैटर्न की विशेषता है। ट्रेडिंग वॉल्युम की मात्रा इसकी सबसे मजबूत पुष्टि करती है। राउंडिंग बॉटम पैटर्न दुर्लभ है लेकिन इसमें सफलता की संभावना अधिक रहती है।

राउंडिंग बॉटम पैटर्न के साथ सफलतापूर्वक ट्रेड करने के लिए ट्रेडर पहले पैटर्न की पहचान करता है और फिर नेकलाइन खींचता है। अगला कदम बॉटम के ब्रेकआउट की पुष्टि होता है।

इस पैटर्न में प्रवेश करने का सबसे अच्छा तरीका ब्रेकआउट पर खरीददारी के साथ है। ट्रेडर तब पैटर्न के बीच में एक स्टॉप-लॉस रखता है। ट्रेडर पैटर्न के आकार के बराबर समय के लिए खास प्राइस मूव में रहना चुन सकता है।

पैटर्न को पहचानना

ट्रेड वॉल्युम का उपयोग करके पैटर्न को आसानी से पहचाना जा सकता है। शुरुआत में हाई वॉल्युम, उसके बाद धीरे-धीरे गिरावट और फिर तेजी से पहले स्टॉक में कोंसोलिडेशन राउंडिंग बॉटम पैटर्न का हिस्सा हैं।

इस पैटर्न का मूल्यांकन आमतौर पर कैंडलस्टिक में दिखाए गए मूल्य पर वॉल्यूम लेवल के शीर्ष भाग को जोड़ने वाली रेखा खींचकर किया जाता है।

टार्गेट प्रॉफिट निर्धारित करना

इस पैटर्न में ट्रेडर्स ज्यादातर उम्मीद करते हैं कि मंदी की प्रवृत्ति के बाद तेजी दिखेगी। इसका मतलब है कि ट्रेडर्स और विश्लेषकों को उम्मीद होती है कि कीमतें नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी। प्रॉफिट टार्गेट निर्धारित करना इस बात पर निर्भर करता है कि आप नई ऊँचाई तक पहुँचने के लिए कितनी दूर तक जाना चाहते हैं।

यह लगभग राउंडिंग बॉटम के आकार के बराबर होनी चाहिए।

अपने प्रॉफिट टार्गेट निर्धारित करने के लिए आपका पहला कदम यह पता लगाना है कि पैटर्न की नेकलाइन कहां स्थित है। इस नेकलाइन को प्राप्त करने के लिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि बियरिश ट्रेंड के शीर्ष पर एक रेखा खींचना और फिर ब्रेकआउट से पहले की तेजी के ट्रेंड के शीर्ष पर रेखा खींचना।

बाद में राउंडिंग बॉटम पैटर्न के सबसे निचले बिंदु और राउंडिंग बॉटम पैटर्न के नेकलाइन बीच की दूरी को मापा जाता है। जहां पर नेकलाइन पर हो रही हो वहीं पर लांग पोजिशन

लेना सुरक्षित होता है। कुल मिलाकर, राउंडिंग बॉटम पैटर्न में हाई सफलता मिल सकती है।

कई अन्य ट्रेडिंग रणनीतियों का उपयोग राउंडिंग बॉटम पैटर्न के साथ किया जाता है। कई महीनों तक फैले फ्लैट पैटर्न का उपयोग करके और राउंडिंग टर्न की ओर जाते हुए एक शक्तिशाली ट्रेडिंग रणनीति बनाना संभव है।

सबसे अच्छा प्रदर्शन इस पैटर्न में तब होता है जब ब्रेकआउट वार्षिक हाई प्राइस के एक तिहाई के भीतर होता है। राउंडिंग बॉटम पैटर्न फॉर्मेशन में ब्रेक आउट होने के बाद थ्रोबैक के कारण धक्का भी लग सकता है।

ट्रेडिंग में सफलता

राउंडिंग बॉटम पैटर्न के अच्छे प्रदर्शन के पीछे दो महत्वपूर्ण कारक इसकी बड़ी एवरेज हाई और इसके कम ब्रेक-ईवन रैंक हैं।

तकनीकी विश्लेषकों का अनुमान है कि इसकी ब्रेक-ईवन विफलता की दर केवल 5% है और बुल मार्किट में इसकी थ्रोबैक दर 40% है।

इसका समग्र प्रदर्शन 23 में से 5 आता है जो सैकड़ों पर्फैक्ट ट्रेड सिनेरियो के आधार पर सबसे अच्छा है।

राउंडिंग बॉटम पैटर्न का निष्कर्ष

अंत में राउंड बॉटम पैटर्न एक तरफा ट्रेंड भी दे सकता है और या ट्रेंड को पलट भी सकता है।

पैटर्न स्टॉक की कीमतों पर नियंत्रण को विक्रेताओं से खरीदारों की तरफ स्थानांतरित करता है। कई बार ट्रेडर्स को राउंड बॉटम रिवर्सल संकेत मिलते हैं जो मुख्य रूप से एक डाउनट्रेंड के करीब और अपट्रेंड के नजदीक दिखता है। उस बिंदु पर जहां कीमतें निचले स्तर के करीब होतीं हैं, वहां एक छोटा डबल बॉटम पैटर्न बन सकता है या ट्रिपल बॉटम या हेड एंड शोल्डर पैटर्न भी बन सकता है।

यह पैटर्न ट्रेडर्स को खरीद करने और स्टॉप-लॉस के स्तर को बदलने की अनुमति देता है। 4: 1 की तक उच्च रिवार्ड टू रिस्क का रेशो सुनिश्चित करने के लिए ट्रेडर कीमतों में रिवर्सल के समय खरीदना शुरू कर सकता है और हाल ही के न्यूनतम स्तर से कम पर स्टॉप-लॉस रख सकता है।

यदि कोई ट्रेडर पारंपरिक ब्रेकआउट होने तक प्रतीक्षा करना चाहता है तो पैटर्न के निचले हिस्से के नीचे स्टॉप लॉस लगाना एक अच्छा विचार है। इस मामले में रिवार्ड टू रिस्क अनुपात 1: 1 के आसपास हो सकता है।

यदि आप ऐसे ट्रेडिंग चार्ट पैटर्न या जेनेरिक स्टॉक मार्केट इन्वेस्टमेंट का उपयोग करके शुरुआत करना चाहते हैं तो हम अगले चरण की तरफ बढ़ने में आपकी सहायता कर सकते हैं:

[Book Title: Candlesticks] by [DigitalGigz]

Published by [Self Published]

Copyright © [2023] [DigitalGigz]

All rights reserved. No portion of this book may be reproduced in any form without permission from the publisher, except as permitted by U.S. copyright law. For permissions contact: [rishubkatara1234@gmail.com and

Phone Number +91 6377409606]

Cover by [Digital economy].

E-Book Launch Date :- 1 / 1 / 2023

Paperback Launch Date :- 1 / 1 / 2023

Revised Edition 18 / 03 / 2023